जनता के गोठ

Website- https://www.jantakegoth.com

● वर्ष -01 ● अंक- 331 ● रायपुर, शुक्रवार 27 नवम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ- 12 ● मूल्य- 2 रुपया ● संपादक- शुभम वर्मा ● PRGI Reg No : CTBIL/25/A1787

पहला कॉलम

तेज रफ्तार डंपर ने बाइक को मारी टक्कर, मां-बेटी समेत तीन की मौके पर मौत

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। हुसैनगंज थाना क्षेत्र के सरेला गांव के पास एक भीषण सड़क हादसे में मां-बेटी समेत तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। फतेहपुर की ओर से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने सामने से आ रही मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल सवार तीनों लोगों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हुसैनगंज थाना क्षेत्र के असनी गांव निवासी शरीफ अहमद की 35 वर्षीय पत्नी शबनम अपनी 16 वर्षीय बेटी इलमा के साथ पड़ोसी 20 वर्षीय सौरभ पुत्र चंद्रगुप्त मौर्य की अपाचे मोटरसाइकिल पर सवार होकर ललौली थाना क्षेत्र के बहुआ कस्बे के अंतर्गत कुम्हरवा गांव स्थित अपने ननिहाल में आयोजित शादी समारोह में शामिल होने जा रही थीं।

भारतीय सेना के चार सूक्ष्म विमान राष्ट्रीय राजमार्ग पर उतरे, बनाया नया कीर्तिमान

इंदौर। भारतीय सेना ने एक अनूठी उपलब्धि हासिल करते हुए अपने चार सूक्ष्म विमानों को राष्ट्रीय राजमार्ग पर सफलतापूर्वक उतारकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। मध्य प्रदेश के महू स्थित सेना साहसिक वैमानिकी केंद्र की ओर से आयोजित 'विंग्स ऑफ वेलर एंड यूनिटी अभियान' के तहत यह विशेष उपलब्धि हासिल की गई। अभियान के दौरान 24 नवंबर को चार सूक्ष्म विमानों ने महू से उड़ान भरी। इसके बाद गुजरात स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर पुष्पवर्षा की गई तथा सोमनाथ और द्वारकाधीश मंदिर के ऊपर से उड़ान भरते हुए विमानों ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर सफल अवतरण किया। भारतीय सेना की जानकारी के अनुसार, चारों विमानों ने मुंद्रा बंदरगाह के समुद्री क्षेत्र को पार करने के बाद जामनगर-अमृतसर राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक के बाद एक सफलतापूर्वक अवतरण किया। विमानों के उतरने के बीच 10 मिनट का अंतराल रखा गया था।

कोलकाता नगर निगम चुनावों में देरी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि लंबित चुनावों को बिना किसी ठोस कारण के टाला नहीं जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के चुनावों को वार्ड परिसीमन विवाद का निपटारा होने तक स्थगित रखने के कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाने की इच्छा जताई है। अदालत ने कहा कि चुनावों में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए और मामले में उठे वास्तविक एवं कानूनी सवालों पर नए सिरे से उचित आदेश पारित करने की आवश्यकता है। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि एकल न्यायाधीश के समक्ष लंबित याचिका को खंडपीठ के पास भेजने का निर्देश दिया जाएगा। जब तक खंडपीठ इस मामले में अपना निर्णय नहीं ले लेती, तब तक चुनाव प्रक्रिया पर रोक जारी रह सकती है।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश

ज्यादा चीनी,नमक और फैट वाले फूड पैकेट पर लगेंगे अलग लाल निशान

नई दिल्ली/एजेंसी

देश में पैकेट वाले खाने और जंक फूड का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में उपभोक्ताओं को यह बताना जरूरी है कि वे जो प्रोडक्ट खरीद रहे हैं, उसमें कितनी चीनी, नमक और फैट है। इसी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा निर्देश दिया है। अदालत ने कहा है कि ज्यादा चीनी, नमक या फैट वाले पैकेज्ड फूड पर अलग-अलग लाल रंग के षट्कोण वाले चेतावनी निशान लगाए जाएं। हर निशान पर संबंधित पोषक तत्व की जानकारी और उसकी तस्वीर भी होनी चाहिए। यह फैसला 26 नवंबर को '३स एंड अवर हेल्थ सोसाइटी' की जनहित याचिका पर सुनाया गया। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरणको पोषण संबंधी चेतावनी के नियमों में बदलाव करने के निर्देश दिए हैं। इसका उद्देश्य है कि ग्राहक पैकेट देखकर ही समझ सकें कि किसी खाद्य पदार्थ में कौन-सा पोषक तत्व ज्यादा है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि चीनी, नमक और फैट के लिए एक ही संयुक्त निशान नहीं लगाया जाएगा। जिस उत्पाद में जिस पोषक तत्व की मात्रा तय सीमा से ज्यादा होगी, उसके लिए अलग लाल



षट्कोण वाला चेतावनी निशान लगाना होगा। हर निशान पर संबंधित पोषक तत्व की तस्वीर के साथ अंग्रेजी में स्पष्ट शब्दों में चेतावनी लिखी होगी।

HIGH FAT: ज्यादा फैट होने पर

HIGH SUGAR: ज्यादा चीनी होने पर

HIGH SALT: ज्यादा नमक होने पर

उदाहरण के लिए, अगर किसी पैकेट वाले खाद्य पदार्थ में चीनी और नमक दोनों की मात्रा तय सीमा से ज्यादा है, तो उस पर दो अलग-अलग लाल निशान लगाने होंगे। इसी तरह तीनों पोषक तत्वों की मात्रा ज्यादा होने पर तीन अलग चेतावनी निशान लगाने होंगे। अदालत ने निर्देश दिया है कि प्रत्येक षट्कोण का आकार पैकेट के मुख्य डिस्प्ले पैनल के अनुपात में करीब 4 से 5 प्रतिशत रखा जाए। स्नस्द्ध को फॉन्ट का आकार भी ऐसा तय करना होगा, जिससे ग्राहक खरीदारी के दौरान चेतावनी आसानी से पढ़ सकें। सुप्रीम कोर्ट ने पोषण संबंधी चेतावनी के लिए पोषक तत्वों की सीमा तय करने के तरीके में भी बदलाव करने को कहा है। अदालत ने निर्देश दिया कि चीनी और फैट के मामले में सिर्फ एडेड शुगर और एडेड फैट को आधार न बनाया जाए। इसके बजाय कुल चीनी यानी टोटल शुगर और सैचुरेटेड फैट की मात्रा को ध्यान में रखा जाए। नमक को भी पोषक तत्वों की इस सूची में शामिल रखा गया है। इसका मतलब है कि किसी प्रोडक्ट में अलग से चीनी नहीं मिलाई गई है।

एफएसएसएआई को 4 महीने में नियमों का मसौदा तैयार करना होगा

इस मामले में एफएसएसएआई ने पहले पैकेट के सामने लाल रंग का चेतावनी निशान लगाने का प्रस्ताव दिया था। इसमें शुरुआत में उन उत्पादों को शामिल करने की बात थी, जिनमें दो या उससे ज्यादा पोषक तत्वों की मात्रा तय सीमा से अधिक हो। इसके बाद दूसरे चरण में एक पोषक तत्व की अधिक मात्रा वाले उत्पादों को शामिल करने का प्रस्ताव था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इस चरणबद्ध व्यवस्था को स्वीकार नहीं किया। अदालत ने निर्देश दिया कि तय सीमा से किसी एक पोषक तत्व की मात्रा भी ज्यादा होने पर चेतावनी का प्रावधान लागू होना चाहिए। स्नस्द्ध ने अदालत को बताया कि नए नियमों का मसौदा तैयार करने में करीब चार महीने का समय लगेगा। नियम अधिसूचित होने के बाद खाद्य कंपनियों को नई पैकेजिंग व्यवस्था अपनाने के लिए 365 दिनों का समय देने का प्रस्ताव है। अदालत ने स्नस्द्ध को 10 सप्ताह बाद प्रगति रिपोर्ट और हलफनामा दाखिल करने का निर्देश भी दिया है। इसके बाद मामले में आगे की सुनवाई होगी।

नारीशक्ति को न्याय दिलाने का संकल्प नहीं रुकेगा

विपक्षी पार्टी मुसलमानों को आरक्षण देना चाहती है-पीएम मोदी

नई दिल्ली/ एजेंसी



आज देश भर में संविधान दिवस मनाया जा रहा है। 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने भारतीय संविधान को अपनाया था। संविधान दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लेख लिखा है। अपने लेख में पीएम मोदी ने भारतीय संविधान की महत्ता, सामाजिक और आर्थिक न्याय तथा अपनी सरकार के कामकाज का जिक्र किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को संविधान दिवस पर ब्लॉग लिखकर कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने लिखा कि विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी ओबीसी आरक्षण में कटौती करके मुसलमानों को आरक्षण देना चाहती है। संविधान निर्माता, खासकर डॉ. भीमराव आंबेडकर, इसके पूरी तरह खिलाफ थे। मोदी ने नारी शक्ति वंदन बिल का जिक्र करते हुए लिखा कि विपक्ष के एक प्रमुख दल ने महिलाओं को आरक्षण देने के लिए लाए गए विधेयक को पारित नहीं होने दिया। इससे एक बार फिर साबित हो गया कि उस दल के मन में संवैधानिक मूल्यों के प्रति कितना कम सम्मान है। मोदी ने ब्लॉग में लिखा- इस साल के शुरू में जो हुआ, उसने हम सभी को शर्मसार कर दिया। संविधान की यात्रा उन महिलाओं को याद किए बिना पूरी नहीं हो सकती, जिन्होंने इसे बनाने में अहम भूमिका निभाई। पीएम ने लिखा- मैं देश की नारीशक्ति को भरोसा दिलाता हूं कि उन्हें न्याय दिलाने के हमारे संकल्प को दुनिया की कोई ताकत रोक नहीं सकती। मोदी ने नक्सलवाद का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा- दशकों तक देश के अनेक हिस्सों में, खासकर आदिवासी क्षेत्रों में, नक्सलियों ने बंदूक के दम पर सबसे गरीब व्यक्ति को उन अधिकारों से वंचित रखा, जो हमारे संविधान ने उसे दिए हैं।

पहली बार लागू हुआ पितृत्व अवकाश

तमिलनाडु में पिता बनने पर मिलेगी 15 दिन की छुट्टी-विजय थलापति

नई दिल्ली/ एजेंसी



बच्चे की परवरिश और परिवार की जरूरतों में पिता की सक्रिय भूमिका को महत्व देते हुए तमिलनाडु सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। लंबे समय से चली आ रही मांग को स्वीकार करते हुए राज्य सरकार ने पुरुष सरकारी कर्मचारियों के लिए 15 दिन की पितृत्व छुट्टी लागू करने की घोषणा की है, जिससे कर्मचारी बच्चे के जन्म के समय अपने परिवार को सहयोग दे सकेंगे। सरकार के मुताबिक, पुरुष सरकारी कर्मचारी लंबे समय से पितृत्व अवकाश की मांग कर रहे थे, जिसे ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। तमिलनाडु में पहली बार पुरुष कर्मचारियों को इस तरह की छुट्टी की सुविधा दी गई है। प्रशासन का मानना है कि बच्चे के पालन-पोषण में पिता की मौजूदगी और भागीदारी भी उतनी ही आवश्यक है। सरकार ने पितृत्व अवकाश लेने के लिए स्पष्ट समय-सीमा तय की है। जारी आदेश के तहत विवाहित पुरुष सरकारी कर्मचारी बच्चे के जन्म से 15 दिन पहले यह छुट्टी ले सकते हैं। इसके अलावा, बच्चे के जन्म के छह महीने के भीतर किसी भी समय 15 दिन का अवकाश लिया जा सकेगा, जिससे कर्मचारियों को अपनी सुविधा के अनुसार छुट्टी चुनने का लचीला विकल्प मिलेगा। तमिलनाडु सरकार का मानना है कि बच्चे की देखभाल केवल मां की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें पिता की सहभागिता भी जरूरी है।

परिवार के साथ रहने का मौका और मातृत्व अवकाश की व्यवस्था

तमिलनाडु सरकार का मानना है कि बच्चे की देखभाल केवल मां की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें पिता की सहभागिता भी जरूरी है। इस अवकाश से पुरुष कर्मचारियों को बच्चे के जन्म के समय परिवार के साथ समय बिताने और उसकी देखभाल करने का अवसर मिलेगा। उल्लेखनीय है कि राज्य में महिला सरकारी कर्मचारियों को पहले से ही 365 दिन का मातृत्व अवकाश मिलता है और अब पुरुषों के लिए पितृत्व अवकाश शुरू किया गया है।

कश्मीर में बढ़ी ठंड, श्रीनगर में तापमान माइनस 1.9 डिग्री

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में ठंड का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। यहां इस मौसम की अब तक की सबसे ठंडी रात दर्ज की गई। बुधवार रात न्यूनतम तापमान गिरकर माइनस 1.9 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। तापमान में गिरावट के साथ ही पूरे कश्मीर घाटी में ठंड का असर तेज हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार, श्रीनगर में पिछली रात न्यूनतम तापमान माइनस 1.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। लगातार दूसरे दिन तापमान में गिरावट के कारण सर्दी का असर और बढ़ गया है।

सुबह 9 से शाम 5 बजे तक बिजली इस्तेमाल करने पर मिलेगा फायदा

अब दिन में बिजली चलाना होगा सस्ता,छत्तीसगढ़ में 50 पैसे प्रति यूनिट तक राहत की तैयारी शुरू..

रायपुर। छत्तीसगढ़ के घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को आने वाले दिनों में बिजली बिल में अतिरिक्त राहत मिल सकती है। बिजली वितरण कंपनी दिन के समय बिजली की खपत बढ़ाने के लिए एक नई योजना पर काम कर रही है। इसके तहत सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक बिजली का अधिक इस्तेमाल करने वाले उपभोक्ताओं को प्रति यूनिट 20 पैसे से लेकर 50 पैसे तक की छूट देने का प्रस्ताव है। हालांकि योजना अभी प्रस्तावित है और इसे लागू करने को लेकर अंतिम फैसला होना बाकी है। इस योजना का उद्देश्य केवल उपभोक्ताओं को बिजली बिल में राहत देना नहीं, बल्कि बिजली की खपत के समय में भी बदलाव लाना है। दरअसल प्रदेश में सौर ऊर्जा से बिजली उत्पादन लगातार बढ़ रहा है। दिन के समय सूर्य की रोशनी के चलते सोलर प्लांट से पर्याप्त बिजली उपलब्ध रहती है, जबकि शाम 5 बजे के बाद सौर ऊर्जा का उत्पादन कम होते-होते बंद हो जाता है। इसी

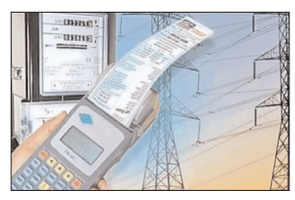

दौरान घरेलू उपभोक्ताओं की बिजली मांग बढ़ने लगती है। ऐसे में बिजली वितरण कंपनी दिन के समय उपलब्ध सौर ऊर्जा का बेहतर इस्तेमाल सुनिश्चित करना चाहती है, ताकि शाम के पीक आवर्स में बिजली की मांग का दबाव कम किया जा सके। प्रस्तावित योजना में घरेलू उपभोक्ताओं की कुल मासिक बिजली खपत को आधार बनाया गया है। इसके मुताबिक यदि कोई उपभोक्ता महीनेभर में इस्तेमाल की गई कुल बिजली का 34 प्रतिशत हिस्सा सुबह 9 से शाम 5 बजे के बीच खर्च करता है, तो उसे प्रति यूनिट 20 पैसे की छूट मिल सकती है। वहीं निर्धारित 34 प्रतिशत सीमा से अधिक बिजली की खपत इसी समयावधि में करने पर अतिरिक्त खपत के लिए 50 पैसे प्रति यूनिट तक की रियायत देने का प्रस्ताव है।



मणिपुर के मुख्यमंत्री खेमचंद युमनाम ने इंफाल के बाबूपारा स्थित अपने आधिकारिक आवास पर नागालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो से मुलाकात की।

शरद पवार की बिगड़ी तबीयत

मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार की तबीयत एक बार फिर बिगड़ गई है। 85 वर्षीय शरद पवार को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी बेटी और पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। पिता की तबीयत बिगड़ने की खबर मिलने के बाद सुप्रिया सुले पार्टी की अहम बैठक बीच में छोड़कर अस्पताल के लिए रवाना हो गईं। सुप्रिया सुले के मुताबिक, शरद पवार को डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है। उन्होंने पिता को आराम करने और यात्रा कम करने की सलाह भी दी है। सुप्रिया सुले ने अपने व्हाट्सएप स्टेटस में लिखा, 'बाबा को ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती करा रही हूं।

जनमानस को उम्मीदों को साकार करने का मिला भरोसा

संवेदनाओं से सुशासन की नई इबारत लिख रहे हैं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

- मुख्यमंत्री जनदर्शन शासन और जनता के बीच विश्वास का सेतु

रायपुर/ संवाददाता

नेतृत्व की सार्थकता इस बात में निहित है कि सामान्य जन की पीड़ा को महसूस करना, किसी बुजुर्ग की आंखों में छिपी विवशता को समझना, एक मां की चिंता को अपनी चिंता मानना और संघर्ष कर रही किसी बेटी के सपनों को टूटने से बचाने के लिए आगे आना यही मानवीय मूल्यों को संरक्षित करना है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के व्यक्तित्व और उनकी कार्यशैली में मानवीय संवेदनाओं का यही सुंदर स्वरूप दिखाई देता है। उनके लिए जनसेवा महज एक प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों से जुड़ा एक संकल्प है। उनकी सहजता, सरलता और आत्मीयता शासन को आम नागरिकों के और करीब ला रही है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार की सफलता का आकलन केवल विकास के आंकड़ों, अधोसंरचनाओं के निर्माण और योजनाओं के क्रियान्वयन से नहीं किया जा सकता। उसकी वास्तविक कसौटी यह है कि समाज के सबसे कमजोर और जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन में कितना सकारात्मक परिवर्तन आया है। मुख्यमंत्री श्री



विष्णुदेव साय की कार्यशैली में इसी विचार की अभिव्यक्ति दिखाई देती है। उनके नेतृत्व में विकास और मानवीय संवेदनाएं एक दूसरे की पूरक बन रही हैं। शासन की प्राथमिकताओं में जहां प्रदेश की प्रगति है, वहीं उस प्रगति के केंद्र में आम नागरिक का सुख, सम्मान और बेहतर भविष्य भी है। मुख्यमंत्री श्री साय के व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता उनकी सहजता है। पद की गरिमा के साथ व्यवहार की सरलता बनाए रखना उनके नेतृत्व को विशिष्ट बनाता है। मुख्यमंत्री निवास में आयोजित जनदर्शन में जब प्रदेश के दूरस्थ अंचलों से आए नागरिक उनके समक्ष अपनी समस्याएं रखते हैं, तब उनके व्यवहार में एक अभिभावक जैसी आत्मीयता दिखाई देती है। किसी की बात को धैर्यपूर्वक सुनना, उसकी परिस्थितियों को समझना और समाधान के लिए तत्काल पहल करना संवेदनशील नेतृत्व की पहचान है। संवेदनशीलता का अर्थ केवल किसी की पीड़ा सुन लेना नही।

गलत गांव का स्विच बंद, भलपहरी में दौड़ता रहा करंट; विभागीय चूक ने ली लाइनमैन की जान

बिजली बंद करने की सूचना के बाद भी नहीं काटी गई आपूर्ति, कुसमघटा का स्विच बंद कर कर्मचारी को मौत के मुंह में धकेलने का आरोप; परिजनों ने मुआवजा, नौकरी और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की उठाई मांग

जनता के गोठ, कवर्धा। जिस बिजली को बंद समझकर लाइनमैन ट्रांसफार्मर पर चढ़ा, वही उसकी मौत का कारण बन गई। भलपहरी गांव में बिजली सुधारने पहुंचे लाइनमैन मानक पटेल की करंट की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। आरोप है कि उन्होंने काम शुरू करने से पहले बिजली विभाग के कार्यालय को फोन कर गांव की आपूर्ति बंद करने की सूचना दी थी, लेकिन भलपहरी की जगह दूसरे गांव कुसमघटा का स्विच बंद कर दिया गया। नतीजा यह हुआ कि जिस लाइन को सुरक्षित समझकर मानक पटेल काम कर रहे थे, उसमें करंट दौड़ता रहा और देखते ही देखते एक परिवार का सहारा खत्म हो गया।

यह हादसा केवल करंट लगने से हुई मौत का मामला नहीं, बल्कि बिजली व्यवस्था में सुरक्षा और जिम्मेदारी के उस सवाल को सामने ला रहा है, जहां एक छोटी सी चूक किसी कर्मचारी की जिंदगी पर भारी पड़ सकती है।

बिजली बंद करने की सूचना, लेकिन बंद हुई दूसरे गांव की लाइन

जानकारी के अनुसार, भलपहरी गांव में बिजली आपूर्ति बाधित थी। सुधार कार्य के लिए लाइनमैन मानक पटेल ट्रांसफार्मर पर चढ़ने वाले थे। काम शुरू करने से पहले उन्होंने बिजली विभाग के कार्यालय में फोन कर भलपहरी गांव की बिजली बंद करने और संबंधित स्विच गिराने की सूचना दी थी।

आरोप है कि कार्यालय में बैठे ऑपरेटर ने भलपहरी की जगह कुसमघटा गांव का स्विच





बंद कर दिया। गलत गांव की बिजली बंद होने से भलपहरी की लाइन में आपूर्ति जारी रही। मानक पटेल ट्रांसफार्मर पर चढ़कर सुधार कार्य में जुट गए, लेकिन लाइन सुरक्षित नहीं थी। अचानक उनके शरीर में करंट दौड़ा और वे गंभीर रूप से झुलसकर नीचे गिर पड़े।

घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने आनन-फानन में उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। कुछ ही देर पहले बिजली सुधारने की जिम्मेदारी निभा रहे कर्मचारी की मौत से गांव में शोक और आक्रोश फैल गया।

परिवार के सवाल, क्या एक फोन कॉल की भी नहीं थी अहमियत?

मृतक के भाई का आरोप है कि मानक पटेल ने काम शुरू करने से पहले बिजली बंद करने की सूचना दी थी। इसके बावजूद गलत स्विच बंद किए जाने की लापरवाही हुई। परिजनों का कहना है कि जब कर्मचारी विभाग को सूचना देकर काम करने जा रहा था, तब उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करना विभागीय जिम्मेदारी थी। उन्होंने मृतक के परिवार को उचित मुआवजा, एक सदस्य को सरकारी नौकरी और जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है।

हादसे ने बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बिजली बंद करने की सूचना, गांव की सही पहचान, स्विच संचालन और लाइन पर काम करने वाले कर्मचारी की सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रक्रिया आखिर कितनी भरोसेमंद है?

विभागीय प्रतिक्रिया

विभागीय स्तर पर मामले में लापरवाही की बात सामने आई है। घटना की जांच कराई जाएगी। जांच में जो भी कर्मचारी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। लोमस सोनवानी कनिष्ठ अभियंता (जेई), बिजली विभाग कवर्धा, कबीरधाम फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। जांच में यह स्पष्ट होना बाकी है कि बिजली आपूर्ति बंद करने की प्रक्रिया में चूक किस स्तर पर हुई और हादसे के लिए जिम्मेदार कौन है। लेकिन इस घटना ने एक कड़वा सवाल छोड़ दिया है–जब बिजली विभाग को कर्मचारी की सुरक्षा के लिए बिजली बंद करनी थी, तो आखिर गलत गांव की बिजली क्यों बंद कर दी गई?

वार्ड क्रमांक 10 में 53.57 लाख रुपये के विकास कार्यों का सांसद विजय बघेल ने किया भूमिपूजन

– जी रोड से शीतला मंदिर तक महामाया मंदिर रोड का होगा चौड़ीकरण, सीसी रोड एवं कवर्ड आरसीसी नाली का निर्माण

अंचल वर्मा - दुर्ग, उतई। जनता के गोठ।

भिलाई / दुर्ग - 15वें वित्त आयोग अंतर्गत वार्ड क्रमांक 10 में जी रोड से शीतला मंदिर तक महामाया मंदिर रोड पर 53 लाख 57 हजार रुपये की लागत से कवर्ड आरसीसी नाली निर्माण, सीसी रोड निर्माण एवं सड़क चौड़ीकरण कार्य का भूमिपूजन विधिवत पूजा-अर्चना के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में पंडित एन.के. त्रिपाठी ने पूजा-अर्चना कर भूमिपूजन की विधि संपन्न कराई।



इस अवसर पर मुख्य अतिथि दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका परिषद अध्यक्ष मीना वर्मा ने की। इस विकास कार्य के पूर्ण होने से क्षेत्रवासियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा जल निकासी की समस्या से भी राहत मिलने की उम्मीद है। सड़क चौड़ीकरण एवं नाली निर्माण से क्षेत्र के आधारभूत ढांचे को मजबूती मिलेगी।

कार्यक्रम में लोक निर्माण श्रीवास्तव, सुनीता कुर्रे, पार्षद प्रभारी डिकेश पटेल ,भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष तृप्ति, वार्ड क्रमांक 15 के पार्षद अनुराग गुप्ता, वार्ड क्रमांक 10 के पार्षद हरिदास वैष्णव, सांसद प्रतिनिधि राजू निषाद, प्रदेश किसान मोर्चा मीडिया सह प्रभारी मिथिलेश यादव, किसान मोर्चा आमंत्रित सदस्य रामाधार शर्मा, जिला आईटी ढ्ढञ्ज सेल सह प्रभारी जूही चंद्राकर, मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र सिन्हा, एल्डरमैन अवधेश शुक्ला, गोल्डी गोस्वामी, प्रणव प्रवीण राव, अश्विनी देशलहरे, उमाकांत साहू, रितिका यादव, हेमलता धीवर, लता साहू, उमेश्वरी साहू, राजकुमार सिंह, दीपक चतुर्वेदी, अवध बिहारी, वीरेंद्र सिंह, जितेंद्र साहू, इमरान रिजवी, पी.एन. दुबे, साधना स्वर्णकार, जुली सिंह, राधा ठाकरे, गीता निर्मलकर, रीता पाण्डेय, पूर्व पार्षद रागिनी निषाद, पिंकी सिल, ओंकार मार्कण्डेय, फ्गिेश्वर साहू,होमेंद्र साहू, सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

नवनियुक्त महिला कांग्रेस जिलाध्यक्षों ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से प्राप्त किया आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन

कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर, भिलाई नगर अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर सहित सैकड़ों कांग्रेसजन रहे मौजूद

अंचल वर्मा - दुर्ग, उतई। जनता के गोठ।

दुर्ग - आज कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से उनके भिलाई-3 स्थित पदुमनगर निवास में जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (ग्रामीण) एवं भिलाई नगर के पदाधिकारियों एवं महिला कांग्रेस की नवनियुक्त जिलाध्यक्षों ने सौजन्य भेंट-मुलाकात की।

इस दौरान विभिन्न संगठनात्मक एवं राजनीतिक विषयों पर चर्चा करते हुए पार्टी की आगामी गतिविधियों, संगठन की मजबूती तथा कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के संबंध में विचार-विमर्श किया गया।

इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (ग्रामीण) के जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर, जिला कांग्रेस कमेटी भिलाई नगर के अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर सहित महिला कांग्रेस दुर्ग (ग्रामीण) की नवनियुक्त जिलाध्यक्ष





योगिता चंद्राकर एवं महिला कांग्रेस भिलाई नगर की जिलाध्यक्ष शशि सिन्हा उपस्थित रहीं।

भेंट-मुलाकात के दौरान नवनियुक्त महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगिता चंद्राकर एवं महिला कांग्रेस भिलाई नगर की जिलाध्यक्ष शशि सिन्हा ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया। बघेल ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए संगठन को मजबूत बनाने, महिलाओं की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने तथा कांग्रेस की नीतियों एवं विचारधारा को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने के लिए सक्रियता से कार्य करने की शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने संगठनात्मक गतिविधियों एवं जिले में कांग्रेस संगठन को और अधिक सक्रिय, मजबूत एवं जनोन्मुखी बनाने के प्रयासों के संबंध में भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय, आपसी संवाद और सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं।

महिला कांग्रेस की नई टीम भी महिलाओं से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए संगठनात्मक गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

सभी कांग्रेस नेताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि वरिष्ठ नेतृत्व के मार्गदर्शन और कार्यकर्ताओं की एकजुटता से संगठन को नई ऊर्जा एवं मजबूती मिलेगी तथा कांग्रेस पार्टी जनहित के मुद्दों पर पूरी प्रतिबद्धता के साथ संघर्ष करती रहेगी।

इस दौरान जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर, मुकेश चंद्राकर, जितेंद्र साहू, योगिता चंद्राकर, शशि सिन्हा, पुष्पा साहू, लक्ष्मी साहू, डिकेंद्र हिरवानी, युगल साहू, पिलेश्वर साहू, जयप्रकाश साहू, जवाहर यादव, जितेंद्र साहू, राकेश हिरवानी, द्वारिका साहू, अरुण गौतम, बैकुंठ महानंद, गीता महानंद, स्नेहा डहरिया, कविता सेन, लक्ष्मी कोसरे, पुष्पा यादव, रामकली यादव, तीर्थ कुमार चंद्राकर, तारकेश्वर चंद्राकर, नन्द कुमार साहू, बाबू लाल देशमुख, घसिया राम देशमुख, रतनी साहू, सुमन साहू, मीना सूर्यवंशी, कुलेश्वरी साहू, रमेश साहू, योगेन्द भारदीय, द्वारिका साहू, तोषण साहू, प्रेम नारायण, सुरता सिंग, गिरेंद्र गोस्वामी, इंद्राणी यादव सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग में अध्यक्ष की नियुक्ति शीघ्र करने की मांग

राजपत्रित अधिकारी संघ ने राज्यपाल को पत्र लिखकर लंबित पदोन्नति प्रकरणों के शीघ्र निराकरण का आग्रह किया

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश राजपत्रित अधिकारी संघ ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग में अध्यक्ष का पद रिक्त होने के कारण भर्ती, पदोन्नति एवं अन्य महत्वपूर्ण प्रकरणों के निराकरण में हो रहे विलंब पर चिंता व्यक्त की है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष कमल वर्मा ने राज्यपाल श्री रमेन डेका को पत्र लिखकर लोक सेवा आयोग में अध्यक्ष की नियुक्ति शीघ्र किए जाने की मांग की है।

संघ ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण संवैधानिक संस्थान है। आयोग के माध्यम से विभिन्न शासकीय सेवाओं में भर्ती, चयन एवं पदोन्नति से संबंधित महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं का संपादन किया जाता है। आयोग में अध्यक्ष का पद



रिक्त रहने के कारण आयोग के कार्यों के संचालन तथा विभिन्न महत्वपूर्ण प्रकरणों के निराकरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की स्थिति उत्पन्न हो रही है।

पदोन्नति में विलंब से अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सेवागत हित प्रभावित- संघ ने कहा कि विशेष रूप से शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की पदोन्नति से संबंधित प्रकरणों सहित अन्य महत्वपूर्ण मामलों के निराकरण में विलंब होने से पात्र अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सेवागत हित प्रभावित हो रहे हैं। पदोन्नति में विलंब के कारण संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आर्थिक एवं सेवागत लाभ समय पर प्राप्त नहीं हो पा रहे हैं। इसके साथ ही विभिन्न विभागों में उच्च पदों पर रिक्तियों के कारण प्रशासनिक कार्यक्षमता भी प्रभावित होने की आशंका है।

अध्यक्ष की नियुक्ति प्राथमिकता से किए जाने का आग्रह- कमल वर्मा ने कहा कि लोक सेवा आयोग जैसे महत्वपूर्ण संस्थान में अध्यक्ष का पद लंबे समय तक रिक्त रहना उचित नहीं है। आयोग के कार्यों का सुचारु, नियमित एवं प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने के लिए अध्यक्ष की नियुक्ति प्राथमिकता के आधार पर किया जाना आवश्यक है, ताकि लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण हो सके और पात्र अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके वैधानिक सेवागत लाभ समय पर प्राप्त हो सकें। छत्तीसगढ़ प्रदेश राजपत्रित अधिकारी संघ ने राज्यपाल से आग्रह किया है कि छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग में अध्यक्ष की नियुक्ति शीघ्र किए जाने हेतु आवश्यक पहल करते हुए नियुक्ति प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराया जाए। साथ ही आयोग में लंबित पदोन्नति एवं अन्य महत्वपूर्ण प्रकरणों के निराकरण के लिए भी आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

गुरुकुल महिला महाविद्यालय में संविधान दिवस पर प्रस्तावना का सामूहिक वाचन एवं शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

रायपुर। भारतीय लोकतंत्र की आधारशिला एवं नागरिक अधिकारों के संरक्षक भारतीय संविधान के प्रति सम्मान, जागरूकता और संवैधानिक मूल्यों के प्रसार के उद्देश्य से गुरुकुल महिला महाविद्यालय, कालीबाड़ी, रायपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के तत्वावधान में संविधान दिवस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. संध्या गुप्ता के उद्बोधन से हुआ। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था, सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय एकता का सशक्त आधार है। संविधान हमें न्याय,



स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुता के आदर्शों पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने के साथ-साथ मौलिक कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया गया तथा उपस्थित प्राध्यापकों एवं छात्राओं ने संविधान के आदर्शों, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रीय एकता के प्रति निष्ठा रखने की शपथ ली। कार्यक्रम का आयोजन ह्स्स् जिला संगठक डॉ. रात्रि लहरी के मार्गदर्शन में हुआ । उन्होंने संविधान दिवस के ऐतिहासिक महत्व, नागरिक अधिकारों एवं मौलिक कर्तव्यों पर प्रकाश डालते हुए कार्यक्रम को सार्थक एवं प्रेरणादायी स्वरूप प्रदान किया। कार्यक्रम में डॉ. वंदना अग्रवाल, डॉ. सीमा चंद्राकर, राहुल गोप, डॉ. रिंकू पांडेय, डॉ. मान्य शर्मा, सरिता वर्मा, डॉ. टीनू दुबे एवं देवश्री वर्मा सहित महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, ह्स्स् स्वयंसेवक एवं बड़ी संख्या में छात्राएँ उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का समापन संविधान के मूल्यों को अपने आचरण में अपनाने तथा एक जागरूक, समतामूलक एवं सशक्त राष्ट्र के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने के संकल्प के साथ हुआ।

आईडीबीआई बैंक के मुख्य महाप्रबंधक एवं छत्तीसगढ़ तथा ओडिशा के प्रभारी श्री सुजीत कुमार के नेतृत्व में बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने 25 नवंबर 2026 को छत्तीसगढ़ के माननीय उपमुख्यमंत्री एवं गृह तथा पंचायती राज मंत्री श्री विजय शर्मा से उनके कार्यालय में सौजन्य भेंट की।

जनता के गोठ। आईडीबीआई बैंक के मुख्य महाप्रबंधक एवं छत्तीसगढ़ तथा ओडिशा के प्रभारी श्री सुजीत कुमार के नेतृत्व में बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने 25 नवंबर 2026 को छत्तीसगढ़ के माननीय उपमुख्यमंत्री एवं गृह तथा पंचायती राज मंत्री श्री विजय शर्मा से उनके कार्यालय में सौजन्य भेंट की।



बैठक के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने माननीय मंत्री को छत्तीसगढ़ में बैंक के मौजूदा नेटवर्क तथा नियमित शाखाओं और सीएससी मॉडल के अंतर्गत संचालित 'समीप' केंद्रों के माध्यम से बैंकिंग सेवाओं के विस्तार की भावी योजनाओं से अवगत कराया। चर्चा में विशेष रूप से ग्रामीण एवं वंचित क्षेत्रों तक बैंकिंग सेवाओं की पहुँच बढ़ाने की बैंक की प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया।

धान की कटाई के बाद किसानों को सुगम एवं निर्बाध नकद निकासी की सुविधा उपलब्ध कराना चर्चा का प्रमुख विषय रहा। सहकारी बैंकों के माध्यम से उपलब्ध सुविधाओं को अतिरिक्त सहयोग प्रदान करते हुए किसानों की नकदी तक पहुँच आसान बनाने के उपायों पर विचार-विमर्श किया गया। आईडीबीआई बैंक ने संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय कर इन सुविधाओं को उपलब्ध कराने में हरसंभव सहायता एवं सहयोग का आश्वासन दिया।

बैंक ने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कार्यक्रमों के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के जनजातीय लोकगीतों एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई। इसके माध्यम से जनजातीय सेवा एवं जेवीको परिजन को बढ़ावा मिलेगा। इस दिशा में स्थानीय कलाकारों एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए वाद्ययंत्र, ध्वनि प्रणाली तथा अन्य आवश्यक आधारभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराने में सहयोग देने की बात कहीद्य

बैठक सार्थक रही। आईडीबीआई बैंक ने छत्तीसगढ़ के समावेशी विकास एवं सर्वांगीण प्रगति के लिए राज्य सरकार के साथ निकट समन्वय में कार्य करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

मानव सेवा मिशन ने जरूरतमंदों के बीच पहुंचकर बांटे कंबल

बेघर और बेसहारा लोगों की परिस्थितियां देख भावुक हुए मिशन के सदस्य, कंबल के साथ भूखे व्यक्ति को भोजन सामग्री भी कराई उपलब्ध

बालको संयंत्र में कार्य करने वाले युवाओं की समाजसेवी संस्था मानव सेवा मिशन द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शीतकालीन कंबल वितरण अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान के प्रथम चरण में मिशन के सदस्यों ने रात्रि के समय कोरबा रेलवे स्टेशन, पुराना बस स्टैंड, नया बस स्टैंड, ट्रांसपोर्ट नगर सहित शहर के विभिन्न क्षेत्रों में घूम-घूमकर खुले आसमान के नीचे रात गुजारने वाले बेघर, बेसहारा, दिव्यांग एवं जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए।

कंबल वितरण के दौरान कई ऐसे दृश्य सामने आए, जिन्होंने मिशन के सदस्यों को भीतर तक भावुक कर दिया। शहर के विभिन्न स्थानों पर कई लोग ऐसे मिले, जिनके पास न तो शरीर ढकने के लिए पर्याप्त कपड़े थे और न ही बिछाने के लिए कोई बिस्तर। कोई सिर्फ एक चादर, तो कोई बोरी या प्लास्टिक के सहारे खुले आसमान के नीचे रात गुजारने को मजबूर था।

इस दौरान एक मानसिक रूप



से अस्वस्थ व्यक्ति फर्श पर लेटा हुआ मिला। उसके शरीर पर पहने हुए कपड़े भी बुरी तरह फटे हुए थे। जब सदस्यों ने उसे कंबल ओढ़ाया, तो वह अचानक डर गया और वहां से जाने की बात कहने लगा। उसे लगा कि शायद सदस्य उसे वहां से हटाने आए हैं। काफी प्यार और समझाइश के बाद जब उसे विश्वास हुआ कि सदस्य उसकी मदद करने आए हैं, तब वह शांत हुआ। यह दृश्य सभी के लिए बेहद भावुक कर देने वाला था।

इसी तरह रेलवे स्टेशन के सामने एक दिव्यांग व्यक्ति बेहद पुराने और फटे हुए कंबल में सोता मिला। बातचीत के दौरान पता चला कि उसने भोजन भी नहीं किया है। यह जानकर सदस्यों ने तत्काल उसके लिए नया कंबल देने के साथ नजदीकी दुकान से बिस्किट एवं मिक्सचर की व्यवस्था की। भोजन सामग्री पाकर उसने सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया और खुशी जाहिर की।

किसी जरूरतमंद को ठंड से बचाने के लिए दिया गया एक कंबल सिर्फ कपड़े का टुकड़ा नहीं, बल्कि उसके प्रति हमारी संवेदना और अपनत्व का एहसास है। किसी के जीवन में थोड़ी गर्माहट और किसी भूखे चेहरे पर मुस्कान लाना ही मानव सेवा की असली सार्थकता है।

मानव सेवा मिशन का प्रयास है कि सर्दी के इस मौसम में अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाई जा सके और कोई भी असहाय व्यक्ति मदद से वंचित न रहे। इस सेवा कार्य में मानव सेवा मिशन के केशव चन्द्रा, सत्यम सोनी, दिनेश पृथ्वीकर, क्रांति सोनी, पीतमलाल सोमनकर, रामसहाय पटेल, रघुराज सिंह, नारायण चन्द्रा एवं राकेश तलवार उपस्थित रहे।

प्रिज्म प्राइवेट आईटीआई का दीक्षांत समारोह संपन्न, अंकसूची एवं उपाधियाँ पाकर खिले विद्यार्थियों के चेहरे

अंचल वर्मा - दुर्ग , उतई। जनता के गोठ।

उतई / दुर्ग - प्रिज्म प्राइवेट आईटीआई, महकाखुर्द, उतई में 25 नवंबर 2026 बुधवार को दीक्षांत समारोह का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया गया।



इस अवसर पर संस्थान के विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक एवं व्यावसायिक उपलब्धियों के लिए अंकसूची एवं उपाधियों का वितरण किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि, आशीष हंसा, प्रशिक्षण अधिकारी, आईटीआई राजनांदगांव तथा विशिष्ट अतिथि जगमोहन सिन्हा, हिंदी स्टेनो पुस्तक के लेखक के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवं सम्मान के साथ हुआ। इस अवसर पर प्राचार्य ललित कुमार साहू ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन, समर्पण एवं शैक्षणिक यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव है।

उन्होंने विद्यार्थियों को अपने तकनीकी ज्ञान एवं कौशल के बल पर भविष्य में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

मुख्य अतिथि आशीष हंसा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक युग में तकनीकी शिक्षा एवं व्यावहारिक कौशल का विशेष महत्व है। विद्यार्थियों को निरंतर सीखते हुए अपने कौशल को विकसित करना चाहिए।

विशिष्ट अतिथि जगमोहन सिन्हा ने शिक्षा, अनुशासन एवं निरंतर अध्ययन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।

इस अवसर पर संस्थान प्रबंधन की ओर से चेयरमैन रूपेश गुप्ता, निदेशक ख्याति साहू एवं निदेशक असीम साहू की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें शुभकामनाएँ दीं।

कार्यक्रम का सफल एवं प्रभावशाली मंच संचालन हतेश्वरी साहू द्वारा किया गया। समारोह में संस्थान के समस्त विभागाध्यक्षों, शिक्षकों एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही। अंत में सभी अतिथियों, विभागाध्यक्षों, शिक्षकों एवं आयोजन में सहयोग प्रदान करने वाले सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस प्रकार प्रिज्म प्राइवेट आईटीआई का दीक्षांत समारोह उत्साह, गरिमा एवं उपलब्धियों के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

ग्राम पंचायत करपावंड में मितानिन दिवस पर सरपंच लखमूराम नेताम ने मितानिनों का किया सम्मान

मितानिनों के सेवा और समर्पण की सराहना, कार्यक्रम में पंच एवं जनप्रतिनिधि रहे उपस्थित

भुजबल बघेल

बकावंड जनता के गोठ। ग्राम पंचायत करपावंड में 23 नवंबर 2026 को मितानिन दिवस के उपलक्ष्य में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत के सरपंच श्री लखमूराम नेताम ने मितानिनों को सम्मानित कर उनके सेवाभावी कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में पंच श्री सोमनाथ देवांगन एवं पंच पति श्री सुनील कश्यप सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस दौरान सरपंच लखमूराम नेताम ने मितानिनों के सेवा भाव, मेहनत और समर्पण की प्रशंसा करते हुए



कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को जन-जन तक पहुंचाने में मितानिनों की अहम भूमिका है। मितानिन गांव-गांव में स्वास्थ्य जागरूकता फैलाने, गर्भवती महिलाओं, बच्चों एवं जरूरतमंद लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और मार्गदर्शन देने का महत्वपूर्ण कार्य करती हैं। उनके निरंतर प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। कार्यक्रम के अंत में सरपंच एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने मितानिनों के योगदान की सराहना करते हुए उन्हें मितानिन दिवस की शुभकामनाएं दीं।

पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष बनने पर शशि सिन्हा एवं योगिता चंद्राकर को दी बधाई



अंचल वर्मा - दुर्ग, उतई। जनता के गोठ।

दुर्ग/ भिलाई - प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने अपने निज निवास में महापौर, नगर निगम रिसाली श्रीमती शशि सिन्हा एवं श्रीमती योगिता चंद्राकर को महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष की नई जिम्मेदारी मिलने पर गुलदस्ता भेंटकर एवं मुँह मीठा कर हार्दिक बधाई देते हुए शुभकामनाओं के साथ आशिर्वाद प्रदान किये , एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की ।

इस अवसर पर पूर्व गृहमंत्री ने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप दोनों अपने अनुभव, समर्पण और संगठनात्मक क्षमता से महिला कांग्रेस को और अधिक सशक्त बनाएंगी तथा महिलाओं के हक और आवाज को मजबूती से बुलंद करेंगी।

उन्होंने दोनों के उज्ज्वल कार्यकाल के लिए ढेरों शुभकामनाएं दीं। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गुजरात प्रवास के दौरान मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने किया विभिन्न संस्थानों का अवलोकन, महिला सशक्तिकरण एवं डेयरी विकास पर हुई चर्चा

रायपुर, 25 नवंबर 2026। छत्तीसगढ़ शासन की महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े जी ने अपने गुजरात प्रवास के दौरान आज गांधीनगर में गुजरात विधानसभा अध्यक्ष श्री शंकर चौधरी जी से सौजन्य भेंट-मुलाकात की। इस दौरान बस्तर क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा डेयरी विकास की संभावनाओं और इस दिशा में किए जा सकने वाले प्रयासों पर चर्चा हुई। प्रवास के दौरान मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने गांधीनगर यूनिट-2 के ग्राम कराई स्थित नंद घर (आंगनबाड़ी केंद्र) का अवलोकन किया। यहाँ बच्चों के पोषण, प्रारंभिक शिक्षा, स्वास्थ्य एवं महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए संचालित व्यवस्थाओं और आधुनिक सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने नंद घर में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए ऐसे नवाचारों से सीख लेकर छत्तीसगढ़ के आंगनबाड़ी केंद्रों को और बेहतर एवं सुविधायुक्त बनाने की दिशा में

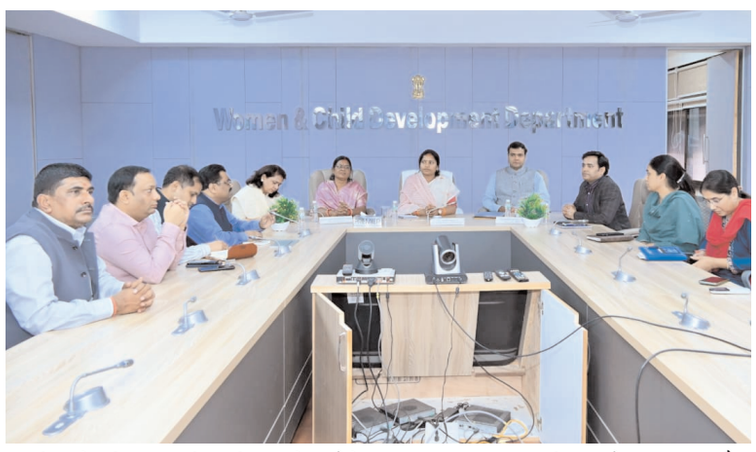

कार्य करने की बात कही। इसी क्रम में उन्होंने गांधीनगर स्थित विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी (Specialized Adoption Agency – SAA) का निरीक्षण कर वहाँ की व्यवस्थाओं एवं बच्चों की देखभाल से संबंधित कार्यों की जानकारी ली। इसके साथ ही गांधीनगर सेक्टर-15 स्थित समर्थ बॉयज हॉस्टल का भी अवलोकन किया और वहाँ उपलब्ध सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके पूर्व गांधीनगर सचिवालय में गुजरात सरकार की महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती डॉ. मनीषाबेन वकील जी से भी सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर गुजरात महिला एवं बाल विकास विभाग के सचिव श्री राकेश शंकर जी, सामरी विधायक श्रीमती उद्धेश्वरी पैकरा जी तथा छत्तीसगढ़ महिला एवं बाल विकास विभाग की संचालक श्रीमती रेणुका श्रीवास्तव जी उपस्थित रहीं। इसके साथ ही गुजरात प्रवास के दौरान गत दिवस मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने केवड़िया स्थित विश्वप्रसिद्ध स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, जिला नर्मदा पहुँचकर लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की भव्य प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर सामरी विधायक श्रीमती उद्धेश्वरी पैकरा जी भी उपस्थित रहीं। सरदार पटेल जी का अदम्य साहस, दूरदर्शी नेतृत्व और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता के प्रति उनका समर्पण सदैव देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। गुजरात प्रवास के दौरान विभिन्न संस्थानों की कार्यप्रणाली, नवाचारों एवं व्यवस्थाओं का अवलोकन कर उनके अनुभवों को छत्तीसगढ़ में महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण के क्षेत्र में उपयोगी बनाने की दिशा में यह भ्रमण महत्वपूर्ण रहा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के द्वारा भव्य भूमिपूजन एवं लोकार्पण समारोह..

अंचल वर्मा - दुर्ग , उतई । जनता के गोठ।

भिलाई / दुर्ग - आज नगर पालिक निगम रिसाली में आयोजित भव्य भूमिपूजन एवं लोकार्पण समारोह में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के द्वारा भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया गया। इस कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में उपमुख्यमंत्री अरुण साव , केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ,दुर्ग सांसद विजय बघेल , दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर , विधायक रिकेश सेन , खादी ग्रामोद्योग के अध्यक्ष राकेश पाण्डेय , तेलघनी बोर्ड के अध्यक्ष जितेंद्र साहू , रिसाली महापौर शशि सिन्हा , दुर्ग निगम महापौर अलका बाघमार , जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे , संभाग प्रभारी जगन्नाथ पाणिग्रही , जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक जिला नागरिक







सहकारी बैंक के अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन , पूर्व केबिनेट मंत्री रमशीला साहू , आदि मंचस्थ उपस्थित रहे..की गरिमामयी उपस्थिति में 101 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन संपन्न हुआ।*

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की डबल इंजन सरकार सुशासन, विकास और जनकल्याण को नई गति प्रदान कर रही है। जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए नगरीय सुविधाओं का विस्तार, आधारभूत संरचनाओं का सुदृढ़ीकरण एवं विकास के नए आयाम स्थापित किए जा रहे हैं।

आज के ये विकास कार्य रिसाली के विकास को नई दिशा देंगे और नागरिकों के जीवन को अधिक सुविधाजनक एवं समृद्ध बनाएंगे।

सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास! विकसित छत्तीसगढ़ ङ्क विकसित रिसाली की ओर अग्रसर!

25 साल की शासकीय सेवा और जीवन के 50 वर्ष का जश्न, डॉ. दिनेश उपाध्याय का सम्मान कर विद्यालय परिवार ने मनाया उत्सव

औरेठी में न्योता-भोज एवं सम्मान समारोह आयोजित, शिक्षा जगत और जनप्रतिनिधियों की रही गरिमामयी उपस्थिति

जनता के गोठ/ओंकार साहू

बलौदाबाजार। शासकीय सेवा के 25 वर्ष और जीवन के 50 वर्ष... दो यादगार उपलब्धियों का संगम बुधवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय औरेठी में देखने को मिला। विद्यालय के व्याख्याता डॉ. दिनेश कुमार उपाध्याय के इस विशेष अवसर पर विद्यालय परिवार की ओर से न्योता-भोज एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों एवं विद्यार्थियों ने सहभागिता कर इस अवसर को यादगार बनाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विकासखण्ड शिक्षा



अधिकारी संजय श्रीवास्तव एवं संभव स्टील ट्यूब्स लिमिटेड के जनरल मैनेजर एम. गोपी कृष्ण मूर्ति शामिल हुए। अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य रमाशंकर वर्मा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में डी.एस. ठाकुर, राकेश सिंह, सी.एस. ध्रुव एवं विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक लक्ष्मेन्द्र चेलक उपस्थित रहे। इस अवसर पर ग्राम पंचायत औरेठी की सरपंच श्रीमती निशा नरेश साहू, पूर्व सरपंच तेजराम वर्मा,एवं श्रीमती सरिता दाऊराम यदु सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। आयोजन में डॉ. उपाध्याय के शासकीय सेवाकाल के 25 वर्षों और जीवन के 50 वर्ष पूर्ण होने की उपलब्धि को सराहा गया। विद्यालय परिवार ने उनके अनुभव, समर्पण एवं शैक्षणिक योगदान के प्रति सम्मान व्यक्त किया। न्योता-भोज के माध्यम से आपसी आत्मीयता और सामूहिक सहभागिता का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम का आयोजन शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष प्रहलाद साहू, उपाध्यक्ष अर्जुन साहू, संरक्षक नरेश साहू एवं छम्पन यदु, समन्वयक प्रवीण पाण्डेय, समिति के सदस्यों, छात्र-छात्राओं एवं विद्यालय स्टाफ के सहयोग से किया गया।

रायपुर में ऑनलाइन ई-चालान भुगतान हुआ आसान, यातायात पुलिस ने जारी किया QR कोड

शहर के शासकीय कार्यालयों, पेट्रोल पंपों, ऑटो डीलर्स एवं बैंकों सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर क्यूआर कोड चस्पा करने की कार्यवाही प्रारंभ

ई-चालान की जानकारी एवं ऑनलाइन भुगतान अब क्यूआर कोड स्कैन करते ही उपलब्ध।

आम नागरिकों की सुविधा के लिए यातायात पुलिस कमिश्नरेट रायपुर की अभिनव पहल।

रायपुर शहर में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध ट्रैफ्स्क कैमरों एवं यातायात पुलिस द्वारा निरंतर ई-चालान की कार्यवाही की जा रही है। ई-चालान जारी होने के पश्चात वाहन मालिकों के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर स्क्रू के माध्यम से इसकी सूचना भी भेजी जाती है। इसके बावजूद अनेक वाहन मालिकों को ई-चालान की जानकारी प्राप्त करने एवं ऑनलाइन भुगतान की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी नहीं होने के कारण उनके चालान लंबित रह जाते हैं।

आम नागरिकों की सुविधा एवं जनहित को ध्यान में रखते हुए पुलिस कमिश्नरेट रायपुर द्वारा ई-चालान की जानकारी प्राप्त करने तथा ऑनलाइन भुगतान की प्रक्रिया को सरल बनाने हेतु क्यूआर कोड की सुविधा प्रारंभ की गई है। वाहन मालिक अपने मोबाइल फोन से क्यूआर कोड स्कैन कर अपने वाहन पर जारी ई-चालान की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं तथा निर्धारित ऑनलाइन माध्यम से उसका भुगतान कर सकते हैं।

पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला के मार्गदर्शन एवं पुलिस उपायुक्त यातायात डॉ. अर्चना झा के निर्देशन में रायपुर शहर के समस्त यातायात थानों के माध्यम से क्यूआर कोड को अधिकाधिक नागरिकों तक पहुंचाने की कार्यवाही की जा रही है। इसके अंतर्गत शहर के समस्त शासकीय कार्यालयों, पेट्रोल



पंपों, ऑटो डीलर्स, बैंकों एवं थाना भवनों पर क्यूआर कोड चस्पा किए जा रहे हैं, ताकि आम नागरिकों को ई-चालान संबंधी जानकारी सहज एवं सुलभ रूप से प्राप्त हो सके।

इस पहल से वाहन मालिकों को ई-चालान की जानकारी प्राप्त करने के लिए बार-बार यातायात कार्यालय आने की आवश्यकता कम होगी तथा ऑनलाइन भुगतान की प्रक्रिया अधिक सुविधाजनक बनेगी। साथ ही लंबित ई-चालान प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण, यातायात नियमों के प्रति जागरूकता एवं नागरिकों की सहभागिता को बढ़ावा मिलेगा।

डीसीपी ट्रैफिक डॉ. अर्चना झा की अपील

डीसीपी ट्रैफिक डॉ. अर्चना झा ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें तथा अपने वाहन पर जारी ई-चालान की जानकारी नियमित रूप से प्राप्त कर समय पर भुगतान सुनिश्चित करें। तथा क्यूआर कोड सुविधा का लाभ उठाएं और यातायात व्यवस्था को सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाने में यातायात पुलिस का सहयोग करें।

ई-चालान की जानकारी एवं ऑनलाइन भुगतान हेतु आधिकारिक वेबसाइटः

httpsÑ//echallan.parivahan.nic.in

यातायात हेल्पलाइन नंबर : 9479210632

यातायात पुलिस कमिश्नरेट रायपुर द्वारा जनहित में जारी

सुरक्षित रहें, जिम्मेदार बनें।

अग्निवीरों के सपनों को पंख दे रहे अतिथि शिक्षक सुदर्शन यादव, सांसद चिंतामणि महाराज ने शाल-श्रीफल भेंटकर किया सम्मानित

बलरामपुर (जनता के गोठ) : शंकरगढ़ के अरुण प्रताप सिंह देव शासकीय महाविद्यालय में 26 नवंबर को आयोजित जनजातीय गौरव कार्यक्रम 2026 में शिक्षा और युवाओं के भविष्य निर्माण के क्षेत्र में निःस्वार्थ सेवा कर रहे अतिथि शिक्षक सुदर्शन यादव को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज ने उन्हें शाल, श्रीफल, गुलदस्ता एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पुनीत कुमार राय ने की। इस दौरान प्राचार्य ने सुदर्शन यादव के सामाजिक एवं शैक्षणिक योगदान की सराहना करते हुए बताया कि वे शंकरगढ़ जैसे आदिवासी बाहुल्य एवं पिछड़े क्षेत्र के युवाओं को शिक्षा के साथ-साथ भारतीय सेना में अग्निवीर भर्ती की तैयारी के लिए पूरी तरह निःशुल्क प्रशिक्षण दे रहे हैं।

43 युवाओं के लिए निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण की व्यवस्था



प्राचार्य डॉ. राय ने बताया कि सुदर्शन यादव केवल लिखित परीक्षा की तैयारी ही नहीं कराते, बल्कि युवाओं के रहने, भोजन और शारीरिक प्रशिक्षण की व्यवस्था भी अपने स्तर पर निःशुल्क कर रहे हैं। वर्तमान में जिले के 43 ऐसे अभ्यर्थी, जिन्होंने अग्निवीर की लिखित परीक्षा उत्तीर्ण की है, उनके यहां रहकर निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

यह पहल उन युवाओं के लिए उम्मीद की नई किरण बन रही है, जो आर्थिक और संसाधनों की कमी के कारण अपने सपनों को पूरा करने में कठिनाइयों का सामना करते हैं।

सम्मान को युवाओं की मेहनत को किया समर्पित

सम्मान प्राप्त करने के बाद अतिथि शिक्षक सुदर्शन यादव ने सांसद चिंतामणि महाराज, प्राचार्य डॉ. पुनीत कुमार राय एवं उपस्थित सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मंच से मिला यह सम्मान उनके लिए नई ऊर्जा और प्रेरणा का स्रोत है। यह सम्मान केवल उनका नहीं, बल्कि उन 43 युवाओं के परिश्रम, संघर्ष और समर्पण का है, जो दिन-रात मेहनत कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य केवल युवाओं को नौकरी दिलाना नहीं, बल्कि पूरे आदिवासी अंचल को शिक्षा, स्वास्थ्य और शासकीय सेवाओं के क्षेत्र में आगे बढ़ाना है। जब तक क्षेत्र का हर बच्चा शिक्षित और आत्मनिर्भर नहीं बन जाता, तब तक उनका प्रयास जारी रहेगा।

संपादकीय

पंजाब में बड़ा राजनीतिक बदलाव

श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर शिरोमणि अकाली दल का फिर से भाजपा के साथ आना पंजाब में बड़ा राजनीतिक बदलाव लाने वाला सिद्ध हो सकता है। दोनों दलों का गठबंधन सत्ता में भी आ सकता है, क्योंकि अतीत में ऐसा हो चुका है। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि जहां सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी सत्ता विरोधी रुझान का सामना कर रही है, वहीं कांग्रेस में आपसी कलह दूर होने का नाम नहीं ले रहा है। भले ही भाजपा और अकाली दल के बीच गठबंधन होने और मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ने का फैसला अब जाकर हुआ हो, लेकिन इसके आसार तभी उभर आए थे, जब कुछ समय पहले पूर्व मुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल प्रधानमंत्री मोदी से मिलने दिल्ली आए थे। भले ही भाजपा ने पंजाब के सामाजिक समीकरणों को प्राथमिकता देते हुए अकाली दल को गठबंधन का बड़ा भाई करार दिया हो, लेकिन तथ्य यह है कि सुखबीर सिंह बादल को भाजपा के सहयोग की अधिक आवश्यकता थी। इसका कारण यह है कि बीते विधानसभा और लोकसभा चुनावों में अकाली दल का प्रदर्शन बहुत ही दयनीय रहा था। उसका जनाधार तेजी से कमजोर हो रहा था।

ऐसे में भाजपा का साथ लेना उसकी राजनीतिक मजबूरी बन गया था। दोनों दलों के बीच हुए गठबंधन पर प्रधानमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए यह कहा कि अकाली दल के साथ आने से राजग परिवार पूरा हो गया और यह गठजोड़ पंजाब की जनता की पहली पसंद बनेगा। इसकी संभावना इसलिए है कि इसके पहले तीन बार दोनों दलों का गठबंधन सत्ता में आ चुका है। शिरोमणि अकाली दल भाजपा का उस समय का साथी है, जब राजग अस्तित्व में नहीं आया था। दोनों दलों के बीच गठबंधन की नींव अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी ने प्रकाश सिंह बादल के साथ मिलकर डाली थी। यह भाजपा का सबसे पुराना और स्वाभाविक सहयोगी था। छह वर्ष पहले शिरोमणि अकाली दल के भाजपा से अलग होने का कोई कारण नहीं बनता था, लेकिन 2020 में जब अमरिंदर सिंह के नेतृत्व वाली कांग्रेस की तत्कालीन सरकार ने संकीर्ण राजनीतिक कारणों से तीन कृषि कानूनों का विरोध करना शुरू कर दिया, तो बादल परिवार दबाव में आ गया और उसने इस भय से भाजपा से नाता तोड़ लिया कि कहीं उसे राजनीतिक नुकसान न हो जाए।

आज का राशिफल

मेष- आज के दिन आप असमंजस की स्थिति में रहेंगे। दिन के आरम्भ में थोड़ी सुस्ती रहेगी लेकिन मध्यान तक कार्यो के प्रति गंभीर हो जाएंगे। थोड़ा धैर्य रख दिमाग से काम ले तो सफलता अवश्य मिलेगी।

वृष -आज का दिन सामान्य से उत्तम रहेगा। दिन के आरम्भ से ही आध्यात्म में रुचि रहेगी घरेलू पूजा पाठ के साथ धार्मिक क्षेत्र की यात्रा के अवसर भी मिलेंगे।

मिथुन- आज के दिन आपका स्वभाव स्वयं के दृष्टिकोण से ठीक लेकिन अन्य लोगो की नजर में अटपटा सा लगेगा। किसी से भी जल्दबाजी में वादा करेंगे लेकिन पूरा करने के समय बगलें झांकते नजर आएंगे।

कर्क- आज आपका स्वभाव मनमौजी रहेगा अपने मे मस्त रहेंगे आवश्यक कार्यो को भी मजबूरी में करेंगे अथवा टालने के ही प्रयास करेंगे जिससे घर के सदस्यों के साथ मन मुटाव होगा।

सिंह- आज का दिन आपको किसी न किसी रूप में धन का हास कराएगा। कार्य क्षेत्र हो या किसी से व्यक्तिगत संबंध आज किसी के ऊपर भी आँख बंद कर विश्वास ना करें अन्यथा पछताना पड़ेगा।

कन्या - आज के दिन आपको लाभ के अवसर मिलेंगे लेकिन आपका स्वभाव अकस्मात गर्म होने पर इससे वंचित भी रह सकते है इसका ध्यान रखें। बड़े कार्यो का अधिक देख भाल कर ही करें।

तुला - आज के दिन आपके अंदर आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होगा भक्ति भावो में डूबे रहेंगे। कार्य व्यवसाय से आज ज्यादा उम्मीद ना रखें थोड़ा बहुत व्यवसाय ही रहने से धन की आमद भी सीमित रहेगी।

वृश्चिक -आज के दिन आपकी धार्मिक भावनाए प्रबल रहेंगी। दिन के आरंभ में पूजा पाठ के लिये समय देंगे लेकिन आज मन कही और ही भटकने के कारण मानसिक शांति और एकाग्रता कम रहेगी।

धनु - आज का दिन शारीरिक दृष्टिकोण से बीते कुछ दिनों की तुलना में बेहतर रहेगा चुस्ती की कमी दिन के आरम्भ में रहेगी लेकिन मध्यान बाद से सामान्यता आने लगेगी।

मकर - बीते दिन की तुलना में आज का दिन शांतिदायक रहेगा फिर भी पुरानी बातों को भूलने का प्रयास कर नई योजना बनाने में समय का उपयोग करे आगे समय धन लाभ वाला बन रहा है।

कुंभ - आज का दिन मिला जुला फल देने वाला रहेगा। दिन के आरम्भ में जो भी योजना बनाएंगे परिस्थितिवश उसमे बदलाव करना पड़ेगा। आज भाई बंधुओ से आर्थिक लेनदेन करना पड़ेगा।

मीन - आज के दिन आप प्रत्येक कार्य मे बुद्धि विवेक का परिचय देंगे लेकिन आज व्यक्तिगत स्वार्थ को एक समय नजरअंदाज भी कर लेंगे परन्तु व्यावसायिक स्वार्थ की बात आने पर आपा खो सकते है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस- 25 नवंबर 2026

महिलाओं की भय-हिंसा मुक्ति से ही विकसित भारत संभव

- ललित गर्ग



महिला हिंसा केवल किसी एक महिला के साथ हुआ अपराध नहीं है, यह पूरी मानवता की चेतना पर लगा हुआ घाव है। किसी महिला का घर में अपमानित होना, दहेज के लिए प्रताड़ित होना, कार्यस्थल पर उत्पीड़न सहना, सड़क पर असुरक्षित महसूस करना, यौन हिंसा का शिकार होना या डिजिटल माध्यमों से उसकी निजता और गरिमा को चोट पहुंचाना-इनमें से हर घटना समाज की उस मानसिकता को उजागर करती है, जिसमें स्त्री को बराबरी का मनुष्य मानने की भावना अभी पूरी तरह विकसित नहीं हुई है। अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस इसलिए केवल स्मरण का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन और सामाजिक संकल्प का दिन है। 25 नवंबर से 10 दिसंबर तक चलने वाला 16 दिवसीय अभियान हमें यह याद दिलाता है कि महिलाओं के विरुद्ध हिंसा समाप्त करना केवल कानून और सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। यह परिवार, समाज, पुरुष, संस्थाओं, न्याय-व्यवस्था और प्रत्येक नागरिक की साझा जिम्मेदारी है। संयुक्त राष्ट्र की 2026 की थीम-महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा को खत्म करने के लिए एकजुट हों, न्याय सुनिश्चित करें, पीड़ितों की सुरक्षा करें, और दोषियों को सजा से बचने न दें-का मूल संदेश स्पष्ट है कि महिलाओं से जुड़े अपराधों एवं हिंसा पर नियंत्रण हो, न्याय सुनिश्चित हो, पीड़ितों की सुरक्षा हो और अपराधियों को दंड से बचने की संस्कृति समाप्त हो। सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर ही नारी-मुक्ति का वास्तविक रास्ता है, इसी से विकसित भारत संभव है।

आज दुनिया ने महिला हिंसा के अनेक पुराने चेहरों को पहचान लिया है, लेकिन हिंसा ने भी अपना स्वरूप बदल लिया है। घरेलू हिंसा, दहेज, बाल विवाह, यौन शोषण और बलात्कार के साथ अब साइबर उत्पीड़न, ऑनलाइन धमकी, निजी तस्वीरों का दुरुपयोग, डिजिटल निगरानी और कार्यस्थल पर मानसिक दबाव जैसी नई चुनौतियां सामने हैं। इसलिए महिला सुरक्षा की लड़ाई केवल पुलिस थाने तक सीमित नहीं रह सकती। उसे घर की मानसिकता, विद्यालय की शिक्षा, कार्यस्थल की संस्कृति और डिजिटल व्यवहार तक ले जाना होगा। भारत में स्थिति जटिल भी है और परिवर्तनशील भी। एक ओर महिलाएं राजनीति, प्रशासन, विज्ञान, शिक्षा, सेना, खेल, उद्योग और उद्यमिता में नई ऊंचाइयां छू रही हैं, दूसरी ओर अनेक महिलाएं आज भी हिंसा, भेदभाव, आर्थिक निर्भरता और सामाजिक दबाव के घेरे में हैं। कानूनों की कमी से अधिक समस्या कई बार उनके प्रभावी क्रियान्वयन, सामाजिक चुप्पी और पीड़िता को ही दोषी मानने वाली मानसिकता की होती है। महिला को यह समझाना आवश्यक है कि उसके साथ हुई हिंसा उसकी गलती नहीं है। अपराधी का अपराध अपराधी का ही है, पीड़िता को अपराधबोध में जीने के लिए मजबूर करना दूसरी हिंसा है।

मीटू जैसे आंदोलनों और निर्भया कांड के बाद हुए कानूनी सुधारों ने समाज में एक महत्वपूर्ण बदलाव पैदा किया है। पहले जिस हिंसा को 'घर की बात', 'इज्जत का मामला' या 'समझौते से सुलझाने' की सलाह देकर दबा दिया जाता था, उसके विरुद्ध आवाज उठाने का साहस बढ़ा है। लेकिन आवाज उठाना पहला कदम है, अंतिम समाधान नहीं। शिकायत करने वाली महिला को सुरक्षा, सम्मान, कानूनी सहायता, मनोवैज्ञानिक सहयोग और त्वरित न्याय मिले, तभी कानून पर उसका विश्वास मजबूत होगा। हमें यह भी समझना होगा कि हिंसा का वास्तविक अंत अदालत के फैसले से पहले मानसिकता के परिवर्तन से शुरू होता है। जिस घर में बेटे को अधिकार और बेटी को मर्यादा का पाठ अलग-अलग पढ़ाया जाता है, वहां समानता की नींव कमजोर रहती है। बेटे को यह सिखाना होगा कि स्त्री उसकी संपत्ति नहीं, स्वतंत्र व्यक्तित्व है, उसकी सहमति सर्वोपरि है। प्रेम अधिकार नहीं, सम्मान है और पुरुषत्व का अर्थ प्रभुत्व नहीं, संवेदनशीलता है।

महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण भी हिंसा के विरुद्ध एक प्रभावी कवच है। जो महिला शिक्षित है, आर्थिक रूप से सक्षम है, अपने अधिकारों से परिचित है और आवश्यकता पड़ने पर सहायता प्राप्त कर सकती है, उसके लिए हिंसक परिस्थितियों से बाहर निकलने की संभावना अधिक होती है। इसलिए भारत में 'पहुँच से सशक्तिकरण तक विकसित भारत के लिए आजीविका और समान अवसरों के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना' जैसी सोच अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्ल्ड इकनोमिक फोरम कि स्थिति बताती है कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में तो महिलाएँ लगभग बराबरी के स्तर तक पहुँच गई हैं, परंतु आर्थिक अवसरों और राजनीतिक नेतृत्व में अभी भी उनकी भागीदारी सीमित है। वैश्विक स्तर पर महिलाएँ कुल कार्यबल का लगभग 42 प्रतिशत ही हैं और शीर्ष प्रबंधकीय पदों पर उनकी हिस्सेदारी लगभग एक-तिहाई के आसपास है। भारत में भी स्थिति मिश्रित है।

सरकार के और भी गम हैं संसद के सिवाय

- राकेश अचल



संसद के शीतकालीन सत्र की तारीखों का ऐलान नहीं होने पर विपक्ष ने मोदी सरकार को घेरा है.लेकिन विपक्ष शायद ये नहीं समझ पा रहा कि सरकार के और भी तो गम हैं संसद के सिवाय.संसद चले या न चले लेकिन सरकार तो आखिर खरामा-खरामा चल ही रही है.

संसद का शीतकालीन सत्र आयोजित करने में सरकार की ओर से दिखाई जा रही उदासीनता को लेकर कांग्रेस समेत समूचा विपक्ष बेचैन समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने सत्र में देरी को लेकर सवाल उठाए हैं. विपक्ष का आरोप है कि सरकार संसद में जनता के मुद्दों पर चर्चा से बच रही है. वहीं, भाजपा ने इस मुद्दे पर संसदीय कार्य मंत्री के जवाब का हवाला दिया है. महिला आरक्षण को लेकर भी सरकार अपना पक्ष स्पष्ट करने की बात कह रही है.

समाजवादी पार्टी सांसद अवधेश प्रसाद का आरोप है कि सरकार महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े विधेयकों को लेकर संख्या बल जुटाने की कोशिश में है. विपक्ष का कहना है कि संसद में किसानों की समस्या, बेरोजगारी और चीन के साथ सीमा तनाव जैसे मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिए. अवधेश प्रसाद ने महिला आरक्षण, परिसीमन और संख्या बल का हवाला देते हुए सरकार पर संसद नहीं बुलाने का आरोप लगाया. कांग्रेस भी संसद सत्र में देरी को लेकर सरकार पर हमलावर है. कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी का आरोप है कि सरकार विपक्ष की आवाज और जनता के सवालों से बच रही है. उनका कहना है कि संसद में इंडिया गठबंधन जनता से जुड़े मुद्दे उठाना चाहता है, लेकिन सरकार सत्र बुलाने में देरी कर रही है. कांग्रेस ने सवाल उठाया है कि क्या इस बार शीतकालीन सत्र नहीं होगा या फिर महज कुछ दिनों का विशेष सत्र बुलाया जाएगा. प्रमोद तिवारी ने विपक्ष के मुद्दे उठाने, सत्र में देरी और लोकतांत्रिक परंपराओं को लेकर सरकार पर निशाना साधा. विपक्ष के आरोपों पर संसदीय कार्यमंत्री अभी मौन हैं.लेकिन भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि संसद सत्र बुलाने और मॉनसून सत्र के सत्रावसान में देरी के मुद्दे पर संसदीय कार्य मंत्री विस्तार से जवाब देंगे. उन्होंने कहा कि फिलहाल सरकार दूसरे मुद्दे पर बात करने आई है. महिला आरक्षण के मुद्दे पर सरकार अपना पक्ष पहले ही स्पष्ट कर चुकी है. 543 सीटों में एक तिहाई आरक्षण को लेकर सरकार की स्थिति साफ है. शीतकालीन सत्र में देरी को लेकर विपक्ष के आरोप और सरकार के जवाब के बीच अब संसद के अगले सत्र की तारीखों पर नजर है. विपक्ष किसानों, बेरोजगारी, सीमा सुरक्षा और दूसरे अहम मुद्दों पर चर्चा चाहता है, जबकि सरकार की तरफ से संसदीय कार्य मंत्री के जवाब का इंतजार है.

आपको याद होगा कि गत 13 अगस्त 2026 को संसद का मानसून सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था। लेकिन इस बार एक असाधारण बात हुई—सत्र स्थगित होने के बाद भी राष्ट्रपति की ओर से संसद का सत्रावसान नहीं किया गया।इसका अर्थ है कि सदन की बैठक समाप्त हुई थी, लेकिन सत्र औपचारिक रूप से समाप्त नहीं हुआ था।

संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई 2026 को शुरु हुआ था और 13 अगस्त 2026 को गैरमियादी वक्त के लिए स्थगित कर दिया गया था. इस सत्र में कुल 19 दिन बैठक हुई जबकि 13 अगस्त से 23 नवंबर तक 103 दिन बीत चुके थे।इन 103 दिनों में शीतकालीन सत्र की तारीख घोषित नहीं हुई थी।पिछले 25 वर्षों में मानसून और शीतकालीन सत्र के बीच औसत अंतर लगभग 95 दिन रहा है।2026 का अंतर इस औसत से अधिक हो गया। पिछला रिकॉर्ड 2008 में 87 दिन का था।कुल अवधि: 25 दिन की थी. आपको बता दूं कि 17वीं लोकसभा (2019-2024) अपने पूरे पांच साल में केवल 274 दिन चली यानि औसत 55 दिन सालाना। यह पूर्ण कार्यकाल वाली लोकसभाओं में सबसे कम है।

परिवर्तन के दौर में मुस्लिम समाज

शंकर शरण

बीते दिनों मुंबई में एक्स-मुस्लिम साहिल पर हमले की घटना चिंतनीय है। वर्तमान में तसलीमा नसरीन, आरिफ हुसैन तेरुवत, साहिल, जफर हेरेटिक और लियाकत अली जैसे एक्स-मुस्लिम अपनी पहचान बना चुके हैं। लियाकत एक्स मुस्लिम आफ केरल नामक संगठन के प्रमुख हैं। तमाम इस्लामी प्रचारक दुनिया भर में इस्लाम के बढ़ते जाने का दावा करते हैं, जबकि सच यह भी है कि मुस्लिम देशों में ही इस्लाम के प्रति उदासीनता बढ़ रही है, विशेषत: युवाओं में। इसे रोकने के लिए इस्लामी शासकों, संगठनों और इमामों के पास दंड, दबाव आदि के सिवा कुछ विशेष नहीं दिखता।

एक्स मुस्लिम साहिल पर हमला इसी का उदाहरण है। किसी व्यक्ति पर उसके विचारों के लिए हमला करना यही साबित करता है कि उसकी बात सच है, जिसका उत्तर देने में विफल होने के कारण उसे चुप कराने के लिए हिंसा का सहारा लिया जा रहा है। इसीलिए साहिल पर हमले जैसी घटनाओं से युवाओं में इस्लामी मान्यताओं के प्रति संदेह ही बढ़ेगा। इसलिए भी कि तमाम इस्लामी देशों में पिछड़ेपन का ही आलम है। इसे मुस्लिम युवा कब तक नजरंदाज करेंगे! फलत: दुनिया में इस्लाम की बढ़त और घटत का दोहरा नजारा है।

एक ओर दुनिया भर में मुस्लिम आबादी बढ़ रही है और इसे प्यू रिसर्च का ताजा सर्वे भी बताता है, लेकिन दूसरी ओर इस्लाम छोड़ने और उससे उदासीन होने वालों की संख्या में वृद्धि हो रही है। यह क्रम लगातार बढ़ने से एक सीमा के बाद गुणात्मक परिवर्तन होना तय है। सभी प्रमुख मुस्लिम देशों में इस्लाम छोड़ने वालों की संख्या बढ़ने पर है। कुछ वर्ष पहले पाकिस्तान की संघीय जांच एजेंसी (एफआइए) ने इंटरनेट मीडिया पर चार लाख पाकिस्तानी अकाउंट से इस्लाम-विरोधी प्रचार होने का आंकड़ा दिया था। ईरान में कठोर इस्लामी शासन के बावजूद इस्लामी कायदों के विरुद्ध सार्वजनिक प्रतिवाद और प्रदर्शन की घटनाएं आए-दिन होती रहती हैं। यह संकेत है कि इस्लाम की वैचारिक ताकत पहले की तुलना में काफी कमजोर हो चुकी है। एक्स-मुस्लिमों की बढ़ती संख्या उसी का नतीजा है। चार दशक पहले कहा जाता था कि मुसलमानों में मजहब छोड़ने वाला नहीं होता, लेकिन अब कोई ऐसा नहीं कहता। पहले इस्लाम से दूर होने वाले मुस्लिम गोपन रहते थे। नाम बदल कर लिखा करते थे। अब अपने नाम, फोटो के साथ धड़ल्ले से नियमित और विस्तार से कट्टर इस्लामी मान्यताओं का खंडन करने वाले अनेक एक्स मुस्लिम डिजिटल मीडिया पर सक्रिय हैं। इस्लामी प्रचार अंदर से कमजोर हो रहा है। कई मुस्लिम देशों में कड़े शरीयत कानून के बावजूद राजकीय तंत्र इस्लाम की आलोचना (ब्लासफेमी) रोकने में विफल है। वर्तमान में इंटरनेट आधारित मीडिया की सुविधा ने तमाम इमामों की क्षमता कमजोर कर दी है। अब वे पहले की तरह इस्लामी सिद्धांत और इतिहास पर अपना एकाधिकार नहीं दिखा सकते कि जैसा चाहें वैसा बताकर मुस्लिमों को मुट्ठी में रखें। यह एक बुनियादी परिवर्तन है। इसने मुस्लिम समाज पर मौलानाओं की पारंपरिक पकड़ घटा दी है। अब मुस्लिम ऐतिहासिक और सैद्धांतिक बातों को स्वयं जानने, परखने और तुलना करने में समर्थ हैं। इससे पारंपरिक उलमा मनमाने निष्कर्ष चलाने में असहाय हो रहे हैं।

इलाज की चिंता से मुक्तिः छत्तीसगढ़ में गरीब और मध्यम वर्ग के लिए सुरक्षा कवच बनी आयुष्मान योजना

2 करोड़ 49 लाख 18 हजार 115 आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं

धनंजय राठौर, संयुक्त संचालक, जनसंपर्क

स्वास्थ्य किसी भी समाज और राज्य के विकास की आधारशिला है। भारत सरकार द्वारा प्रारंभ की गई विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना आयुष्मान भारत - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना छत्तीसगढ़ राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं की तस्वीर बदल रही है। छत्तीसगढ़ में इस योजना को राज्य की स्वास्थ्य योजनाओं के साथ एकीकृत कर शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना के रूप में अत्यंत प्रभावी ढंग से लागू किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य राज्य के प्रत्येक पात्र परिवार को गंभीर बीमारियों के इलाज के दौरान होने वाले भारी आर्थिक बोझ से बचाना है। छत्तीसगढ़ में आयुष्मान भारत योजना- स्वस्थ और सशक्त राज्य की ओर एक क्रांतिकारी कदम

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की संवेदनशील कार्यशैली ने इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया है। मुख्यमंत्री श्री साय की दृढ़ इच्छाशक्ति, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से छत्तीसगढ़ में आयुष्मान भारत योजना कमजोर वर्ग और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए एक सुरक्षा कवच साबित हुआ है। केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत योजना और राज्य सरकार की मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना छत्तीसगढ़ के हर उस नागरिक का जीवन रक्षक कवच बन चुकी है, जो महंगे इलाज का खर्च उठाने में असमर्थ हैं।

योजना का स्वरूप और प्रमुख लाभ- छत्तीसगढ़ में आयुष्मान भारत योजना का विस्तार केवल केंद्रीय सूची तक सीमित नहीं है, बल्कि राज्य सरकार ने राशन कार्ड के माध्यम से लगभग सभी परिवारों को इसके दायरे में लाने का प्रयास किया है। पात्र परिवारों को देश और राज्य के पंजीकृत सरकारी और निजी अस्पतालों में पूरी तरह नि:शुल्क और कैशलेस इलाज की सुविधा मिलती है। आयुष्मान कार्ड (AB-PMJAY / SVSASY) 2 करोड़ 71 लाख 11 हजार 762 के विरूद्ध 2 करोड़ 49 लाख 18 हजार 115 कार्ड बनाए जा चुके हैं। जो लक्ष्य का 91.9 प्रतिशत है, जिनमें सूरजपुर जिला 21 लाख 93 हजार 647 आयुष्मान कार्ड बनाकर 97 प्रतिशत उपलब्धि हासिल कर छत्तीसगढ़ राज्य में प्रथम स्थान पर है। नियद नेल्ला-नार 2.0 के तहत दूरस्थ वनांचल और पूर्व नक्सल प्रभावित 10 जिलों बीजापुर, सुकमा, दंतेवाड़ा, कांकेर, नारायणपुर, बस्तर, कोण्डागांव, गरियाबंद, मोहला-मानपुर, अम्बागढ़ चौकी और छुईखदान में 93 प्रतिशत राशन कार्डधारी हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। आयुष्मान योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए वर्ष 2021 में राज्य को छह श्रेणियों में से चार श्रेणियों में पुरस्कार मिले थे। इनमें तीन पुरस्कार आयुष्मान कार्ड पंजीयन और एक पुरस्कार लैंगिक समानता के लिए था।

मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना में गंभीर व दुर्लभ बीमारियों के इलाज के लिए सहायता - अंत्योदय, प्राथमिकता वाले राशन कार्ड धारक और केंद्रीय सूची में सूचीबद्ध परिवारों को प्रति वर्ष प्रति परिवार 5 लाख रूपए तक का नि:शुल्क स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान किया जाता है। वहीं अन्य पात्र सामान्य राशन कार्ड धारक परिवारों को राज्य योजना के अंतर्गत 50 हजार रूपए तक की चिकित्सा सहायता उपलब्ध है। जहां सामान्य और बड़ी बीमारियां आयुष्मान योजना के दायरे में आती हैं, वहीं कई बार कुछ दुर्लभ और बेहद गंभीर



बीमारियां ऐसी होती हैं जिनका खर्च लाखों में होता है। छत्तीसगढ़ सरकार की मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना में गंभीर व दुर्लभ बीमारियों के इलाज के लिए अधिकतम 25 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान करने का प्रावधान किया गया है। इस योजना के तहत लिवर प्रत्यारोपण, किडनी ट्रांसप्लांट, हृदय रोग, कैंसर, कोक्लियर इम्प्लांटऔर दुर्लभ अनुवांशिक बीमारियों जैसी उच्च लागत वाली चिकित्सा प्रक्रियाओं के लिए सीधे अस्पतालों को राशि जारी की जाती है।

जनवरी 2024 से अब तक 3,281 हितग्राहियों के लिए योजना के तहत कुल 203.07 करोड़ रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई है। योजना के अंतर्गत कैंसर के इलज के लिए 2,476 मामलों में 115.48 करोड़ रुपये, बोन मैरो ट्रांसप्लांट के 205 मामलों के लिए 27.06 करोड़ रुपये, डायलिसिस के 686 मामलों के लिए 17.18 करोड़ रुपये और हृदय संबंधी उपचार के 371 मामलों के लिए 17.08 करोड़ रुपये की सहायता स्वीकृत हुई है। इसके अलावा किडनी ट्रांसप्लांट के 144 मामलों में 5.41 करोड़ और लिवर ट्रांसप्लांट के 31मामलों में 5.57 करोड़ रुपये की सहायता दी गई है। इन योजनाओं से अब तक ऐसे अनेकों गरीब मरीजों को नया जीवन मिला है, जिन्होंने महंगे इलाज की उम्मीद बिल्कुल छोड़ दी थी।

5 लाख रूपए तक का नि:शुल्क स्वास्थ्य कवर- आयुष्मान वय वंदना कार्ड के तहत 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को (चाहे उनकी आय या सामाजिक स्थिति कुछ भी हो) 5 लाख रूपए तक का नि:शुल्क स्वास्थ्य कवर प्रदान किया जा रहा है। इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें पहले से मौजूद बीमारियों का इलाज भी कार्ड बनने के पहले दिन से ही कवर होता है। इलाज के पैकेज में अस्पताल में भर्ती होने से पहले की जांच, दवाइयां और डिस्चार्ज के बाद का फॉलो-अप खर्च या अस्पताल में भर्ती होने से पहले और बाद का खर्च भी शामिल होता है। आयुष्मान वय वंदना कार्ड (70 वर्ष या उससे अधिक आयु) 8 लाख 71 हजार 717 के विरूद्ध 6 लाख 23 हजार 220 कार्ड बनाए गए हैं। जो लक्ष्य का 71.5 प्रतिशत है। 2 लाख 48 हजार 497 आयुष्मान वय वंदना कार्ड बनाने में बस्तर जिला प्रथम स्थान पर 89.8 प्रतिशत उपलब्धि हासिल कर छत्तीसगढ़ राज्य में प्रथम स्थान पर है।

छत्तीसगढ़ में योजना का प्रभाव और उपलब्धियां- छत्तीसगढ़ एक जनजातीय बाहुल्य और ग्रामीण आबादी वाला राज्य है, जहां महंगे निजी अस्पतालों में इलाज कराना एक आम परिवार के लिए असंभव सा था। आयुष्मान कार्ड ने इस खाई को पाटने का काम किया है। राज्य के दूरस्थ वनांचलों जैसे बस्तर और सरगुजा संभाग के नागरिक भी अब रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग या देश के किसी भी बड़े शहर के पंजीकृत अस्पतालों में हृदय रोग, कैंसर, किडनी डायलिसिस, घुटने के प्रत्यारोपण और न्यूरोसर्जरी जैसी जटिल बीमारियों का मुफ्त इलाज करवा पा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, ग्रामीण स्तर पर उप-स्वास्थ्य केंद्रों को आयुष्मान आरोग्य मंदिर के रूप में विकसित किया गया है, जहां प्राथमिक उपचार, मातृ-शिशु स्वास्थ्य, और मधुमेह तथा उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों की नियमित जांच और टेली-कंसल्टेशन की सुविधा मिल रही है।

कार्ड बनवाने की सरल प्रक्रिया- प्रशासन ने आयुष्मान कार्ड बनवाने की प्रक्रिया को अत्यंत सरल और डिजिटल बना दिया है। स्वयं ऑनलाइन माध्यम से नागरिक घर बैठे अपने स्मार्टफोन पर Ayushman App डाउनलोड कर या आधिकारिक पोर्टल (beneficiary.nha.gov.in) पर जाकर आधार और राशन कार्ड के माध्यम से द्र-चक्षुष्ट पूरा कर अपना कार्ड बना और डाउनलोड कर सकते हैं।

ऑफ लाइन केंद्र और हेल्पलाइन नंबर - नजदीकी चॉइस सेंटर (ष्टस्ष्ट), लोक सेवा केंद्र या किसी भी पंजीकृत सरकारी और निजी अस्पताल में मौजूद आयुष्मान मित्र के माध्यम से नि:शुल्क कार्ड बनवाया जा सकता है। किसी भी प्रकार की सहायता या शिकायत के लिए राज्य की हेल्पलाइन नंबर 104 या राष्ट्रीय टोल-फ्री नंबर 14555 पर संपर्क किया जा सकता है।

छत्तीसगढ़ राज्य में लाखों लोगों ने इसका लाभ उठाया है- यद्यपि छत्तीसगढ़ में करोड़ों नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बन चुके हैं और लाखों लोगों ने इसका लाभ उठाया है, फिर भी कुछ चुनौतियां शेष हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में कार्ड की उपयोगिता के प्रति और अधिक जागरूकता फैलाने, निजी अस्पतालों में क्लेम सेटलमेंट की प्रक्रिया को और अधिक त्वरित बनाने तथा दूरदराज के क्षेत्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में निरंतर प्रयास आवश्यक हैं।

स्वस्थ छत्तीसगढ़ की राहः परिवारों को मिल रहा आयुष्मान का सुरक्षा कवच- छत्तीसगढ़ में आयुष्मान भारत योजना केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए एक सुरक्षा कवच बन चुकी है। इसने यह सुनिश्चित किया है कि पैसे के अभाव में किसी भी नागरिक का इलाज न रुके, जो स्वस्थ छत्तीसगढ़, समृद्ध छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार कर रहा है।

भावभीनी बिदाई के साथ बी.एड. के प्रशिक्षुओं का अध्यापन कार्य सम्पन्न हुआ

न्योता भोज से बच्चों के चेहरे पर खिलीं मुस्कान

नवापारा राजिम। पी.एम.श्री हरिहर सेजेस, गोबरा नवापारा एवं शास. हरिहर पूर्व माध्य. शाला, नवापारा (राजिम) में 4 माह तक अध्यापन कार्य कर बच्चों के साथ आत्मीय रिश्ता बनाने वाले बी.एड. के प्रशिक्षुओं का अध्यापन कार्य के समापन अवसर पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

यह विदाई समारोह केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि प्रशिक्षु शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच बने स्नेह, अपनत्व और भावनात्मक जुड़ाव का एक मार्मिक दृश्य बन गया।

4 माह के इस सफ़र में प्रशिक्षु शिक्षकों ने बच्चों को केवल पाठ्य पुस्तकों का ज्ञान ही नहीं दिया, बल्कि उनके साथ हँसी, खेल, सीख और जीवन के अनेक छोटे-बड़े अनुभव भी साझा किए।

जब विदाई का समय आया, तो शाला का वातावरण भावुक हो उठा। नन्हे-मुन्ने बच्चों की आँखें आँसुओं से भर गईं। बच्चें अपने प्रिय शिक्षकों के हाथ-पैर पकड़कर उन्हें जाने से रोकने का प्रयास कर रहें थे।

उनकी मासूम भावनाएँ मानो यह कह रही थी कि ये शिक्षक उनके लिए केवल पढ़ाने वाले नहीं, बल्कि उनके अपने है, उनकी दुनिया का एक अहम् हिस्सा है।

इस भावुक क्षण में आंचल साहू, लिलेश्वरी साहू, अंतरा वर्मा, तोशिका साहू, उमा चेलक, मोनिमा चेलक, जय यादव, हिरेन्द्र साहू, स्मित शर्मा, भावेश मिश्रा सहित शाला के सभी बच्चों का स्नेह और अपनत्व देखने को मिला।

बच्चों का यह निश्छल प्रेम प्रशिक्षु शिक्षकों के लिए जीवनभर याद रहने वाली अनमोल स्मृति बन गयी। बिछड़ने की पीड़ा के बीच बच्चों ने अपने प्रिय प्रशिक्षु शिक्षकों को पेन, डायरी एवं गुलदस्ते भेंट कर सम्मानित किया और नम आँखों से विदाई दी। यह उपहार भले





ही छोटे थे, लेकिन इनमें छिपें बच्चों का प्रेम और भावनाएँ बेहद अनमोल थे।

इस अवसर पर बी.एड. के प्रशिक्षु शिक्षकों ने विदाई समारोह के उपलक्ष्य में शाला प्रांगण में न्योता भोज का कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत सभी बच्चों को स्वादिष्ट पूरी, चना एवं जलेबी वितरित किया गया। बच्चों ने बड़े उत्साह और आनंद के साथ न्योता भोज का आनंद लिया।

यह आयोजन बच्चों के साथ खुशियाँ बाँटने और विद्यालय के प्रति अपनी आत्मीयता व्यक्त करने का एक सुंदर माध्यम बना।

कार्यक्रम में पी.एम.श्री हरिहर सेजेस के प्राचार्य महेश नेताम, लीना देवांगन, कुन्तल देवांगन, सौरभ साहू, भोमेश देवांगन, ओंमकार साहू, चंद्रकांत धनकर, डॉली साहू, अल्फिया बानो एवं शास. हरिहर पूर्व माध्य. शाला के प्रधान पाठक आलोक सिंह ठाकुर, विनोद साहनी, अश्वनी साहू, बी.एल. साहू एवं अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहें।

सभी शिक्षकों ने प्रशिक्षुओं के अध्यापन कार्य, समर्पण एवं बच्चों के साथ उनके आत्मीय व्यवहार की सराहना करते हुए, उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बी.एड. के प्रशिक्षु शिक्षकों में दीपक साहू, मनीष कुमार, योगेश, करुणा, वंशिका तिवारी, रजनी एक्का एवं टिंकल राज राठिया शामिल रहें। 4 माह का यह अध्यापन कार्य सफ़र भले ही समाप्त हो गया हो, लेकिन बच्चों के साथ बिताए गए पल, उनकी मुस्कान, उनका स्नेह और विदाई के समय बहते आंसू इन प्रशिक्षु शिक्षकों के हृदय में हमेशा जीवन्त रहेंगे। शिक्षकों एवं विद्यार्थीयों के बीच बना यह रिश्ता इस बात का सजीव उदाहरण है कि शिक्षा केवल ज्ञान देने का माध्यम नहीं, बल्कि दिलों को जोड़ने का नाम भी है। विदाई हुई है, रिश्ता नहींज कक्षाएं छूटीं है, यादें नहींज और 4 माह का यह सफ़र शायद सभी के जीवन में हमेशा एक खूबसूरत अध्याय बनकर रहेगा।

कार्तिक पूर्णिमा पर ग्राम रवेली में 'रंग छत्तीसा' का आयोजन, मुख्य अतिथि रहे प्रणव शर्मा

प्रसिद्ध लोक कलाकार पूनम तिवारी और दिव्या तिवारी की प्रस्तुति ने बांधा समां

ऩ धार्मिक व सांस्कृतिक आयोजन हमारी संस्कृति और सामाजिक एकता के आधार : प्रणव शर्मा



जनता के गोठ- रायपुर

पाटन। कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर जनपद पंचायत पाटन अंतर्गत ग्राम रवेली में नव युवा जागरण लक्ष्मी समिति द्वारा प्रसिद्ध छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम 'रंग छत्तीसा' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत पाटन के सभापति प्रणव शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान प्रदेश की सुप्रसिद्ध लोक कलाकार पूनम तिवारी और दिव्या तिवारी ने अपनी शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रणव शर्मा ने कहा कि धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन हमारी समृद्ध सनातन संस्कृति, आस्था और गौरवशाली परंपराओं को जीवंत रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे आयोजन समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक समरसता की भावना को सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने युवाओं की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए इसे अपनी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में एक सराहनीय प्रयास बताया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए उन्होंने नव युवा जागरण लक्ष्मी समिति के सभी सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। साथ ही ग्रामवासियों द्वारा दिए गए आत्मीय स्नेह और सम्मान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर समस्त क्षेत्रवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की।

इनकी रही प्रमुख उपस्थिति

इस अवसर पर ग्राम पंचायत की सरपंच लता ताराचंद वर्मा, समिति के अध्यक्ष मोहन ठाकुर, दुलेश साहू, उपाध्यक्ष भरत प्रजापति, संरक्षक देवा साहू, सचिव होरी लाल सहित सदस्य अमित यादव, ललित साहू, सुभाष साहू, अजीत यादव, धर्मेंद्र साहू, मीत वर्मा, घनश्याम साहू, गजेंद्र साहू, खोमन साहू, अमर प्रजापति, पप्पू यादव एवं समस्त समिति सदस्यगण व बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

शहीद नंदकुमार पटेल शासकीय महाविद्यालय बिरगांव में साइबर सुरक्षा, महिला सुरक्षा एवं यातायात जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

रायपुर। पुलिस कमिश्नरेट रायपुर द्वारा आम नागरिकों, विशेषकर युवाओं एवं विद्यार्थियों को साइबर अपराधों से बचाव, महिला सुरक्षा तथा सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से निरंतर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज दिनांक 25 नवंबर 2026 को शहीद नंदकुमार पटेल शासकीय महाविद्यालय, बिरगांव, रायपुर में साइबर सुरक्षा, महिला सुरक्षा एवं यातायात जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में रायपुर कमिश्नरेट से अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त यातायात श्रीमती स्नेहिल साहू द्वारा व्याख्यान के माध्यम से उपस्थित छात्र-छात्राओं को विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई।

साइबर सुरक्षा के प्रति किया जागरूक



व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों को वर्तमान समय में बढ़ते साइबर अपराधों एवं ऑनलाइन धोखाधड़ी के विभिन्न तरीकों से अवगत कराया गया। उन्हें अनजान फोन कॉल, संदिग्ध लिंक, फर्जी वेबसाइट, ऑनलाइन ठगी, ओटीपी एवं बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी साझा करने से होने वाले नुकसान के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग करने, मजबूत पासवर्ड रखने तथा किसी भी संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि के प्रति सतर्क रहने की समझाइश दी गई।

महिला सुरक्षा एवं आत्म-सुरक्षा पर विशेष जोर

महिला सुरक्षा के संबंध में छात्राओं को अपने अधिकारों, सुरक्षा के प्रति सजगता तथा किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न अथवा असामाजिक गतिविधि की स्थिति में तत्काल संबंधित पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यार्थियों को सुरक्षित वातावरण निर्माण में अपनी भूमिका निभाने तथा किसी भी अनुचित घटना को नजरअंदाज न करने की सलाह दी गई।

यातायात नियमों के पालन की दी समझाइश

यातायात जागरूकता के अंतर्गत विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के महत्व से अवगत कराते हुए दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने, चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करने तथा नाबालिगों द्वारा वाहन नहीं चलाने की समझाइश दी गई। साथ ही यातायात नियमों का पालन कर स्वयं सुरक्षित रहने एवं दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की संयोजक डॉ. सौम्या रामटेके एवं प्राचार्य डॉ. प्रीति शर्मा , शिक्षक गण सहित लगभग 250 छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत हसौद में धूमधाम से मनाया गया 77वां संविधान दिवस, ग्रामीणों ने किया संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन

नीलकंठ धिरहे

सक्ती / हसौद 26 नवंबर को 77वें संविधान दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत हसौद में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर चौक पर गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामवासी, महिलाएं, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा भारतीय संविधान को अंगीकृत किया गया था। इसी ऐतिहासिक दिन की याद में प्रतिवर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जाता है। वर्ष 2026 में संविधान अंगीकृत होने के 77 वर्ष पूर्ण होने पर देशभर में 77वां संविधान दिवस मनाया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर श्रद्धा एवं सम्मान व्यक्त करने के साथ हुई। इसके पश्चात उपस्थित सभी लोगों ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना का



सामूहिक वाचन किया तथा संविधान में निहित मूल्यों, अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस दौरान उपस्थित लोगों को संविधान दिवस के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि भारतीय संविधान देश के प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुत्व का अधिकार प्रदान करता है। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसके लिए देश सदैव उनका ऋणी रहेगा। कार्यक्रम में बाबा साहेब के विचारों को आत्मसात करने, सामाजिक एकता, समानता और भाईचारे को मजबूत बनाने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर उत्साह के साथ आतिशबाजी भी की गई और संविधान दिवस की खुशियां मनाई गईं। कार्यक्रम में ग्रामवासी, महिलाएं, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। सभी ने संविधान के सम्मान और उसके मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

2500 दीपों से जगमगाया शिवनाथ नदी तट, देव दीपावली पर भव्य गंगा आरती में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

जनता के गोठ/ओंकार साहू

बलौदाबाजार। देव दीपावली एवं कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर सिमगा स्थित प्राचीन शिवनाथ मंदिर एवं शिवनाथ नदी के तट पर भव्य गंगा आरती का आयोजन श्रद्धा और भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर शिवनाथ नदी का तट दीपों की रोशनी से जगमगा उठा और पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम के लिए नदी तट को रंगोली एवं फूलों से आकर्षक ढंग से सजाया गया था। श्रद्धालुओं ने 2500 दीप प्रज्ज्वलित कर अपनी आस्था प्रकट की। दीपों की अलौकिक रोशनी से शिवनाथ नदी का तट ऐसा जगमगाया कि पूरा दृश्य मनमोहक हो उठा। वहीं श्रद्धालुओं ने आतिशबाजी कर देव दीपावली का उत्सव भी मनाया। गंगा आरती से पूर्व सिमगा नगर के



पंडित दउवा प्रसाद भारद्वाज ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मां गंगा, भगवान भोलेनाथ, प्रभु श्रीराम एवं भारत माता की मंगल आरती संपन्न कराई। इस दौरान सेवा मंडली द्वारा श्रीराम भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी गई, जिसने उपस्थित श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। कार्यक्रम के अंत में प्रसादी वितरण किया गया।इस धार्मिक आयोजन में सिमगा नगर के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। विशेष रूप से नगर पालिका अधिकारी शशिभूषण श्रीवास्तव, पार्षदगण, एल्डरमेन, व्यासनारायण गुप्ता, बसंती गुप्ता, शारदा भोसले, सुवर्णा ओमप्रकाश शर्मा, श्वेता गुप्ता, सूरज गुप्ता, योगराज देवांगन, अनुप तिवारी, नीरज ठाकुर सहित गौ सेवा समिति एवं सिद्धेश्वर शिवमंदिर के सदस्यगण और पत्रकारगण उपस्थित रहे।

एप्पल स्टोर के 02 करोड़ कीमत के आईफोन चोरी केस में अंतर्राज्यीय ''कंजर गिरोह'' के 02 सदस्य गिरफ्तार

गिरोह का सरगना राजेश कंजर उर्फझाला है देवास मध्यप्रदेश का निवासी

जनता के गोठ- रायपुर

दिनांक 01.11.2026 को प्रार्थी ऋषभ डागा ने थाना तेलीबांधा में अपराध की सूचना दर्ज कराया कि दिनांक 31.10.26 व 01.11.2026 के दरम्यानी रात्रि मरीन ड्राईव स्थित उसके आई नैक्सट इनोवेशन प्रा.लि. एप्पल स्टोर में किसी अज्ञात व्यक्तियों द्वारा दुकान का शटर उठाकर 02 करोड़ कीमत के 173 नग एप्पल आईफोन, एप्पल वॉच, हैडफोन एवं एयरपॉड चोरी कर ले गया है, साथ ही दुकान के भीतर लगा सी.सी.टी.व्ही. कैमरों का डी.व्ही.आर. भी ले गया है। जिस पर अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध थाना तेलीबांधा में अपराध क्रमांक 487/26 धारा 331(4), 305 बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई।

शहर के हृदय स्थल मरीन ड्राईव में करोड़ो रूपये कीमत के आईफोन चोरी की घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस कमिश्नर रायपुर डॉ. संजीव शुक्ला ने अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर श्री अमित तुकाराम काम्बले के निर्देशन में पुलिस उपायुक्त (क्राईम एण्ड साईबर) श्री स्मृतिक राजनाला, पुलिस उपायुक्त (मध्य जोन) श्री तारकेश्वर पटेल तथा पुलिस उपायुक्त (वेस्ट जोन) श्री रॉबिन्सन गुरिया को घटना के प्रत्येक पहलू का अध्ययन करते हुए एक कार्ययोजना तैयार कर ए.सी.सी.यू. एवं थाना तेलीबांधा की टीमों को अपने सतत् पर्यवेक्षण में अज्ञात आरोपियों की पतासाजी करने हेतु निर्देशित किया गया। घटना में वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा तत्काल 40 से अधिक सदस्यों की 06 विशेष टीमों का गठन कर पहली टीम को घटना स्थल पर ही कैम्प कर आस-पास सी.सी.टी.व्ही. फुटेजेस एवं आसूचना संकलन हेतु पाबंद किया गया, द्वितीय टीम को रेलवे स्टेशन और बस स्टैण्ड पर तैनात कर पिछले 24 घंटे के सी.सी.टी.व्ही. फुटेजेस अवलोकन, तृतीय टीम को रायपुर को कनेक्ट होने वाले सभी इंटर स्टेट रूट्स पर पड़ने वाले टोल्स से जानकारी व सी.सी.टी.व्ही. फुटेजेस फॉलो करने हेतु, चतुर्थ टेकनिकल टीम को टावर एनालिसिस तथा पांचवी टीम को इस अपराधिक कार्यप्रणाली के अपराधियों द्वारा कारित अपराध की जानकारी हेतु ऑल इंडिया डेटाबेस व छत्तिसगढ़ के डेटा बेस पर कार्य करने हेतु पाबंद किया गया तथा छठवीं टीम को स्थानीय अपराधियों को फोकस में रखकर कार्य करने को कहा गया। घटना स्थल से आरोपियों द्वारा डी.व्ही.आर. लेकर चले जाने से तथा आस-पास के कैमरों की क्वालिटी का स्तर ठीक न होने से सी.सी.टी.व्ही. एनालिसिस में दिक्कते आ रही थी। टीम ने बहुत ही बारिकी से अध्ययन करते हुए 01 दोपहिया वाहन में 03 व्यक्तियों को नोटिस किया जो रात्रि 02.37 मिनट पर घटना स्थल पर दिखते है और मात्र 08 मिनट में 02.45 मिनट पर वहां से निकल जाते है। रात्रि का समय होने से फुटेजेस क्लियर नही होने से उस दोपहिया वाहन सवार तीन व्यक्तियों को चिन्हांकित करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। टीम द्वारा लगातार प्रयास करते हुए उक्त सी.सी.टी.व्ही. फुटेजेस को फॉलो करते हुए उनके फरार होने के मार्ग को चिन्हित किया गया। पुलिस के सामने चुनौती यह भी थी कि जिस अस्पष्ट फुटेज को वो



फॉलो कर रहे है क्या वह घटना करने वाले वास्तविक अपराधी ही है या नही इसलिये घटना स्थल पर कैम्प की हुई टीम लगातार उस फुटेज पर काम कर रही थी तथा दूसरी टीम को उस फुटेज को फॉलो करने के लिये कहा गया। टीम द्वारा लगातार 10 दिनों तक उस फुटेज को फॉलो करते हुए लगभग 250 किलोमीटर नागपुर से पहले मौधा तक गई, मौधा के बाद उक्त संदिग्ध आरोपियों के कोई फुटप्रिंट प्राप्त नही हो रहे थे। दीपावली जैसे महत्वपूर्ण त्यौहार के समय भी टीम ने चुनौती को स्वीकार करते हुए मौधा में कैम्प कर आसूचना संकलन का कार्य प्रारम्भ किया। टेकनिकल टीम के द्वारा लगभग 250 किलोमीटर रूट के 1100 से अधिक सेल आई.डी. टावर्स के लाखों नम्बरों के एनालिसिस पर भी आरोपियों के संबंध में कोई इनपुट जनरेट नही हो पा रहा था। रेलवे स्टेशन एवं बस स्टैण्ड में पाबंद टीमों द्वारा भी कोई इनपुट जनरेट नही हो पा रहा था। मौधा महाराष्ट्र में कैम्प कर रही टीम को यह जानकारी प्राप्त हुई कि कुछ दिन पूर्व मौधा के कुल्हान नदी के किनारे 01 बिना नम्बरी मोटर साईकिल लावारिस स्थिति में खड़ी मिली थी जिसके इंजन नम्बर एवं चेसिस नम्बर को स्क्रैच कर दिया गया था। टीम ने अपने प्रयासों से उक्त मोटर साईकिल को दिनांक 25.10.26 को थाना तेलीबांधा से चोरी होना पाया, अतः टीम यह स्थापित करने में सफल रही कि चूंकि यह मोटर साईकिल भी तेलीबांधा क्षेत्र से तथा आरोपियों द्वारा भी तेलीबांधा स्थित एप्पल स्टोर से चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है। अतः सी.सी.टी.व्ही. फुटेजेस का फॉलो एक सही दिशा में हो रहा है। टीम के सामने अब एक नई चुनौती थी कि मौधा के आगे आरोपियों के संबंध में कोई भी सी.सी.टी.व्ही. फुटेजेस उपलब्ध नही हो रहे थे किन्तु यह स्पष्ट था कि आरोपियों के भागने का रास्ता महाराष्ट्र एवं मध्य प्रदेश की ओर है। अतः ऑल इंडिया डेटा एनालिसिस टीम को महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली के एप्पल स्टोर में हुई चोरी और उनके पकड़े गये सभी आरोपियों के संबंध में जानकारी एकत्रित करने और उनका विश्लेषण करने हेतु कहा गया तथा आरोपियों का टोल बैरियर में प्राप्त फुटेज को अंतर्राज्यीय पुलिस समूहों में आसूचना हेतु सर्कुलेट किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा 04 टीमों को महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, राजस्थान एवं दिल्ली में अज्ञात आरोपियों की पतासाजी हेतु डेप्यूट किया गया। डेटा एनालिसिस टीम ने यह नोटिस किया कि वर्ष 2024 में जयपुर राजस्थान में एप्पल स्टोर चोरी में मध्यप्रदेश के देवास एवं इंदौर के आस-पास के कंजर गिरोह द्वारा अंजाम दिया गया था। साथ ही अंतर्राज्यीय पुलिस समूहों में सर्कुलेट फुटेज के संबंध में देवास मध्यप्रदेश पुलिस से भी इनके कंजर होने की जानकारी प्राप्त की गई। और 01 अपराधी को राजेश झाला निवासी टोंककला थाना टोंकखुर्द जिला देवास मध्यप्रदेश के रूप में चिन्हित किया गया। देवास पुलिस के सहयोग से राजेश झाला को लिफ्ट किया गया चूंकि आरोपी राजेश झाला के ऊपर 47 से अधिक गंभीर प्रकृति के अपराध दर्ज है तथा अपराधिक कंजर गिरोह का सदस्य होने के कारण वह पूछताछ में लगातार पुलिस को गुमराह करता रहा तथा कोई भी विशेष जानकारी उपलब्ध नही करा रहा था किन्तु क्रमिक पूछताछ में अंततः उसने अपने बेटे राजा झाला तथा गांव के ही 01 अन्य आरोपी राजेश लोधी के साथ मिलकर घटना को अंजाम देना स्वीकार किया साथ ही चोरी के सभी आईफोन को इंदौर निवसी सफान खान को देना बताया गया। घटना के संबंध में उसने बताया कि दिनांक 25.10.26 को वह, अपने बेटे राज झाला तथा इंदौर निवासी सफान खान के साथ बस से रायपुर आकर तेलीबांधा मरीन ड्राईव में सफान द्वारा चिन्हित आईफोन स्टोर की रेकी कर जोरा मॉल पास से मोटर साईकिल चोरी कर दिनांक 26.10.26 को उक्त मोटर साईकिल को महाराष्ट्र के साकोली के पहले जंगल में छिपा कर रख दिया गया था।

गुप्त चेंबर से पुल के नीचे पुड़िया बिक्री तक, 11 महीने में 1.93 टन गांजा जब्त

9.57 करोड़ रुपये कीमत के गांजे के साथ 38 आरोपी गिरफ्तार, तस्करी में इस्तेमाल 11 वाहन जब्त; बड़े नेटवर्क से लेकर स्थानीय बिक्री तक सामने आए कारोबार के अलग-अलग तरीके





महबूब खान, जनता के गोठ कवर्धा। गांजे की खेप को वाहनों के भीतर बने गुप्त चेंबर में छिपाकर ले जाना और दूसरी ओर नदी-पुल के आसपास छोटी पुड़ियों में बेचकर कारोबार चलाना। कबीरधाम जिले में 11 महीने के दौरान सामने आए गांजा तस्करी के मामलों ने नशे के अवैध कारोबार के दो अलग-अलग चेहरे उजागर किए हैं। एक ओर करोड़ों रुपये कीमत की खेप परिवहन के जरिए पहुंचाने की कोशिशें हुईं, वहीं दूसरी ओर स्थानीय स्तर पर गांजा बिक्री करने वाले भी पुलिस की कार्रवाई में पकड़े गए।

पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक, 1 जनवरी से 25 नवंबर 2026 के बीच जिले में करीब 1.93 टन गांजा जब्त किया गया। इसकी अनुमानित कीमत 9 करोड़ 57 लाख 56 हजार 230 रुपये आंकी गई है। इस दौरान 38 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें 36 पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं। तस्करी में इस्तेमाल किए जा रहे 11 वाहन भी जब्त किए गए।

तस्करी के तरीके अलग, कारोबार का मकसद एक- कार्रवाई के दौरान गांजा परिवहन के लिए वाहनों में गुप्त चेंबर बनाकर खेप छिपाने के मामले सामने आए। ऐसे तरीके अपनाने का उद्देश्य रास्ते में जांच से बचते हुए गांजे को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाना था। दूसरी तरफ कुछ मामलों में कम मात्रा में गांजा रखकर स्थानीय स्तर पर बिक्री करने वाले आरोपी भी पकड़े गए। नदी पुल के आसपास पुड़िया बिक्री जैसे मामले बताते हैं कि अवैध कारोबार केवल बड़ी खेप तक सीमित नहीं, बल्कि छोटे स्तर पर भी सक्रिय है।

छह थाना क्षेत्रों में कार्रवाई- जिले के अलग-अलग हिस्सों में हुई कार्रवाई में चिल्फी, पिपरिया, कवर्धा शहर कोतवाली, पंडरिया, कुंडा और बाजार चारभाठा क्षेत्र प्रमुख रहे। इन मामलों में गांजा जब्ती, आरोपियों की गिरफ्तारी और परिवहन में इस्तेमाल वाहनों की जब्ती के जरिए पुलिस ने तस्करी तथा बिक्री के खिलाफ कार्रवाई की।

करोड़ों की जब्ती, चुनौती कारोबार की जड़ तक पहुंचने की- 11 महीने में 38 गिरफ्तारियां और 11 वाहनों की जब्ती कार्रवाई का बड़ा आंकड़ा है, लेकिन गांजे के कारोबार में परिवहन करने वालों से लेकर स्थानीय बिक्री तक सामने आए मामलों के बीच नेटवर्क की पूरी कड़ी तक पहुंचना भी अहम है। बड़ी खेप किस रास्ते से आती है, स्थानीय स्तर पर किन माध्यमों से खपाई जाती है और इसमें जुड़े लोगों की भूमिका क्या है, ऐसे सवाल नशे के कारोबार पर प्रभावी अंकुश के लिए महत्वपूर्ण हैं।

मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। गांजा तस्करी और बिक्री में संलिप्त लोगों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई के साथ ऐसे कारोबार को बढ़ावा देने वाले तौर-तरीकों पर भी नजर रखी जा रही है। हमारा उद्देश्य नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाना और युवाओं को इसके दुष्प्रभाव से बचाना है।

जितेंद्र कुमार यादव, पुलिस अधीक्षक, कबीरधाम

छोटे देवड़ा में मनाया गया संविधान दिवस, बाबा साहेब को किया नमन



बच्चों को संविधान के मूल्यों से कराया गया परिचित, संविधान के आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प

भुजबल बघेल 7 बकावंड।
बकावंड, जनता के गोठ। विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत छोटे देवड़ा में 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। इस अवसर पर गांव के छोटे-छोटे बच्चों ने भी कार्यक्रम में भाग लेकर बाबा साहेब को याद किया। बच्चों को भारतीय संविधान के मूल्यों न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता के महत्व से परिचित कराया गया। साथ ही संविधान के आदर्शों का सम्मान करने और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर सरपंच संतोष कुमार कश्यप ने कहा कि संविधान देश की ताकत और हमारी पहचान है। संविधान हमें समानता, स्वतंत्रता और न्याय के साथ जीवन जीने का अधिकार देता है। हम सभी को संविधान का सम्मान करना चाहिए तथा उसके मूल्यों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए।

छोटे देवड़ा में मनाया गया संविधान दिवस, बाबा साहेब को किया नमन

बकावंड में उप स्वास्थ्य केंद्र निर्माण के लिए हुआ भूमि पूजन

उप स्वास्थ्य केंद्र बनने से ग्रामीणों को गांव में ही मिलेगी स्वास्थ्य सुविधा, ग्रामीणों में खुशी का माहौल



भुजबल बघेल 7 बकावंड।
बकावंड, जनता के गोठ। बकावंड विकासखंड मुख्यालय में गुरुवार को दोपहर 3:30 बजे नवीन उप स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण के लिए विधिवत भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर गांव के माटी पुजारी सहित जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पूजा-अर्चना कर निर्माण कार्य की शुरुआत की। भूमि पूजन कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के सरपंच डमरू मौर्य, उपसरपंच सुमित्रा भद्रे, सचिव रमेश सिंह ठाकुर, पंच जगन्नाथ ठाकुर, जगन्नाथ कश्यप, खगेश्वर बिसाई, अर्जुन पदमन निषाद सहित समस्त पंचगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। उप स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण पूरा होने के बाद ग्रामीणों को प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए दूर-दराज के अस्पतालों का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। गांव में ही स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होने से विशेष रूप से महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को काफी राहत मिलेगी। ग्रामीणों ने उप स्वास्थ्य केंद्र निर्माण को गांव के विकास और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

संक्षिप्त समाचार

2500 दीपों से जगमगाया शिवनाथ नदी तट, देव दीपावली पर भव्य गंगा आरती में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब



जनता के गोठ/ओंकार साहू
बलौदाबाजार। देव दीपावली एवं कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर सिमगा स्थित प्राचीन शिवनाथ मंदिर एवं शिवनाथ नदी के तट पर भव्य गंगा आरती का आयोजन श्रद्धा और भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर शिवनाथ नदी का तट दीपों की रोशनी से जगमगा उठा और पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।
कार्यक्रम के लिए नदी तट को रंगोली एवं फूलों से आकर्षक ढंग से सजाया गया था। श्रद्धालुओं ने 2500 दीप प्रज्ज्वलित कर अपनी आस्था प्रकट की। दीपों की अलौकिक रोशनी से शिवनाथ नदी का तट ऐसा जगमगाया कि पूरा दृश्य मनमोहक हो उठा। वहीं श्रद्धालुओं ने आतिशबाजी कर देव दीपावली का उत्सव भी मनाया। गंगा आरती से पूर्व सिमगा नगर के पंडित दउवा प्रसाद भारद्वाज ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मां गंगा, भगवान भोलेनाथ, प्रभु श्रीराम एवं भारत माता की मंगल आरती संपन्न कराई। इस दौरान सेवा मंडली द्वारा श्रीराम भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी गई, जिसने उपस्थित श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। कार्यक्रम के अंत में प्रसादी वितरण किया गया। इस धार्मिक आयोजन में सिमगा नगर के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। विशेष रूप से नगर पालिका अधिकारी शशिभूषण श्रीवास्तव, पार्षदगण, एल्डरमेन, व्यासनारायण गुप्ता, बसंती गुप्ता, शारदा भोसले, सुवर्णा ओमप्रकाश शर्मा, श्वेता गुप्ता, सूरज गुप्ता, योगराज देवांगन, अनुप तिवारी, नीरज ठाकुर सहित गौ सेवा समिति एवं सिद्धेश्वर शिवमंदिर के सदस्यगण और पत्रकारगण उपस्थित रहे।

प्रभारी सचिव श्रीमती निहारिका बारिक ने ली जिला स्तरीय समीक्षा बैठक

महासमुंद छत्तीसगढ़ शासन के गृह एवं जेल विभाग की अपर मुख्य सचिव एवं महासमुंद जिले की प्रभारी सचिव श्रीमती निहारिका बारिक ने आज जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर विभिन्न विभागों के कार्यों, योजनाओं की प्रगति, कानून व्यवस्था एवं जनहित से जुड़े विषयों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन के साथ-साथ आम नागरिकों की शिकायतों का प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

ग्राम पंचायत हसौद में धूमधाम से मनाया गया 77वां संविधान दिवस, ग्रामीणों ने किया संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन

नीलकंठ धिरहे
सक्ती / हसौद 26 नवंबर को 77वें संविधान दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत हसौद में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर चौक पर गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामवासी, महिलाएं, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा भारतीय संविधान को अंगीकृत किया गया था। इसी ऐतिहासिक दिन की याद में प्रतिवर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जाता है। वर्ष 2026 में संविधान अंगीकृत होने के 77 वर्ष पूर्ण होने पर देशभर में 77वां संविधान दिवस मनाया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर श्रद्धा एवं सम्मान व्यक्त करने के साथ हुई। इसके पश्चात उपस्थित सभी लोगों ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया तथा संविधान में निहित मूल्यों, अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।



इस दौरान उपस्थित लोगों को संविधान दिवस के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि भारतीय संविधान देश के प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुत्व का अधिकार प्रदान करता है। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसके लिए देश सदैव उनका ऋणी रहेगा।

कार्यक्रम में बाबा साहेब के विचारों को आत्मसात करने, सामाजिक एकता, समानता और भाईचारे को मजबूत बनाने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर उत्साह के साथ आतिशबाजी भी की गई और संविधान दिवस की खुशियां मनाई गईं। कार्यक्रम में ग्रामवासी, महिलाएं, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। सभी ने संविधान के सम्मान और उसके मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

सेवानिवृत्त पर उमेश सेठिया का भव्य सामान सचिव संघ ने भेंट किए 1लाख 1हजार 100रुपये



भुजबल बघेल
बकावंड जनता के गोठ। जनपद पंचायत बकावंड में लंबे समय तक अपनी सेवाएं देने वाले वरिष्ठ सचिव उमेश सेठिया के सेवानिवृत्त होने पर सचिव संघ जनपद पंचायत बकावंड की ओर से उनका भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर सचिव संघ के पदाधिकारियों एवं सचिव साथियों ने फूलमालाओं के साथ उनका आत्मीय अभिनंदन किया और उनके स्वस्थ, दीर्घायु एवं खुशहाल जीवन की कामना की।
सम्मान समारोह के दौरान सचिव संघ जनपद पंचायत बकावंड ब्लॉक की ओर से उमेश सेठिया को 1 लाख 1 हजार 100 रुपये (?1,01,100) की नगद सहयोग राशि प्रदान की गई। सचिव साथियों ने यह सहयोग राशि उनके आगामी जीवन को सुखमय एवं खुशहाल बनाने की भावना से भेंट की। साथ ही भगवान से प्रार्थना की कि उनका स्वास्थ्य सदैव अच्छा रहे और जीवन का अगला पड़ाव सुख-समृद्धि एवं खुशियों से भरा हो।

2006 से सेवाओं का सफर, संघर्ष और अनुभव से बनाई पहचान- उमेश सेठिया का सेवाकाल वर्ष 2006 से शुरू हुआ। लगभग दो दशकों के इस सफर में उन्होंने जनपद पंचायत बकावंड की 93 ग्राम पंचायतों के कार्यक्षेत्र में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए एक अलग पहचान बनाई। अपने संघर्ष, अनुभव और बेहतर कार्यशैली के दम पर उन्होंने सेवा के क्षेत्र में यह मुकाम हासिल किया। उनके कार्यकाल की अंतिम पंचायत झारउमर एवं मूली पंचायत रही, जहां उन्होंने अपने सेवाकाल के अंतिम पड़ाव तक जिम्मेदारियों का निर्वहन किया।

प्रधानमंत्री आवास की राशि लेकर दो साल से अधूरा छोड़ा मकान

ठेकेदार पर गड़बड़ी का आरोप, दो हितग्राहियों से 90-90 हजार रुपये लेने का आरोप, डीपीसी स्तर पर अटके आवास सचिव की भूमिका पर भी उठें सवाल

भुजबल बघेल
बकावंड, जनता के गोठ विकासखंड जनपद पंचायत कौड़ावंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत कौड़ावंड के आश्रित ग्राम मादेयागुड़ा एवं शिवनागुड़ा में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत दो हितग्राहियों धमु बघेल और बकचंद के नाम से आवास स्वीकृत किए गए थे। आरोप है कि ठेकेदार विजय ने दोनों हितग्राहियों को उनका मकान पूरा बनाकर देने का भरोसा दिलाया और इसी विश्वास में दोनों से 90-90 हजार रुपये की राशि ले ली। लेकिन करीब दो वर्ष बीत जाने के बाद भी दोनों आवासों का निर्माण पूरा नहीं हुआ है। मकान आज भी डीपीसी स्तर पर अधूरे पड़े हुए हैं। हितग्राहियों के अनुसार, ठेकेदार विजय ने कहा था कि आप लोगों का प्रधानमंत्री आवास पूरा बनाकर दे दूंगा। इसी भरोसे पर दोनों हितग्राहियों ने शासन से प्राप्त आवास निर्माण की 90-90 हजार रुपये की राशि ठेकेदार को सौंप दी। लेकिन राशि लेने के बाद भी ठेकेदार ने मकान का निर्माण पूरा नहीं कराया। दो वर्ष बीत जाने के बावजूद गरीब परिवारों को पक्के मकान का इंतजार करना पड़ रहा है। सबसे चिंताजनक स्थिति यह है कि दोनों हितग्राही आज भी टूटे-फूटे मकानों में रहने को मजबूर हैं। गरीब परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिलने के बजाय उन्हें अधूरे निर्माण और आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस पूरे मामले में ग्राम पंचायत सचिव की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। बताया जा रहा है कि दोनों आवास डीपीसी स्तर पर ही अधूरे पड़े हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि जब दोनों आवास डीपीसी स्तर पर ही अधूरे हैं तो किस आधार पर 90-90 हजार रुपये की राशि निकाली गई और यह राशि किसके माध्यम से ठेकेदार तक पहुंची। इस संबंध में ठेकेदार विजय से चर्चा की गई तो उन्होंने कहा कि आप कल पानी की व्यवस्था कर दीजिए, मैं आवास निर्माण का काम शुरू कर दूंगा। हालांकि हितग्राहियों का कहना है कि पिछले दो वर्षों से उन्हें निर्माण पूरा होने का इंतजार है, लेकिन अब तक मकान अधूरे पड़े हैं। हितग्राहियों ने की गई कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास का निर्माण पूरा करने का वादा करके शासन से मिली राशि लेने वाले ठेकेदार से तत्काल रकम वापस कराई जाए और दोनों आवासों का निर्माण तत्काल पूरा कराया जाए। उन्होंने मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर ठेकेदार विजय तथा यदि कोई अन्य जिम्मेदार पाया जाता है तो उसके खिलाफ भी कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। हितग्राहियों का कहना है कि यदि जांच में राशि गबन और धोखाधड़ी के आरोप प्रमाणित होते हैं तो संबंधित ठेकेदार को जेल भेजने तक की कार्रवाई होनी चाहिए।





अब देखना होगा कि प्रशासन गरीब हितग्राहियों को न्याय दिलाने और प्रधानमंत्री आवास योजना की कथित धांधली पर कब तक कार्रवाई करता है।

नशामुक्त धरसींवा का संकल्प और युवा शक्ति का सम्मानः अवैध शराब बिक्री की शिकायत पर विधायक अनुज शर्मा का 'ऑन-द-स्पॉट एक्शन': जनचौपाल से सीधे कोचिये के घर बोला धावा

धरसींवा। विधानसभा क्षेत्र की जनता के सुख-दुख में सहभागी बनने और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के उद्देश्य से विधायक अनुज शर्मा द्वारा निकाली जा रही 'सेवा संवाद यात्रा' का पाँचवाँ दिन ऐतिहासिक और बेहद उत्साहपूर्ण रहा। यात्रा के दौरान विधायक अनुज शर्मा को ग्रामीणों और नगरवासियों का भरपूर स्नेह व आशीर्वाद प्राप्त हुआ। इस क्रम में उन्होंने नगर पंचायत कुंवरगढ़ सहित ग्राम भेरवा, पंडरभट्ठा, भैसमुड़ा, मुर्रा, देवरी और अकोली का सघन दौरा कर आम जनता से घर-घर भेंट की और उनकी समस्याएं सुनीं।
शिकायत मिली और एक्शन शुरू: कोचिये के घर विधायक के औचक छापे से मचा हड़कंप
नगर पंचायत कुंवरगढ़ में आयोजित जनचौपाल के दौरान जब ग्रामीणों ने क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री की शिकायत की, तो विधायक अनुज शर्मा ने त्वरित और कड़ा रुख अपनाया। वे



जनचौपाल से उठकर स्वयं प्रशासनिक अमले और ग्रामीणों के साथ सीधे अवैध शराब बेचने वाले कोचिये के घर जा पहुँचे और मौके पर दबिश दी। विधायक के इस औचक और दबंग एक्शन से पूरे क्षेत्र के अवैध कारोबारियों में हड़कंप मच गया। उन्होंने पुलिस और आबकारी विभाग के अधिकारियों को मौके पर ही सख्त चेतावनी देते हुए क्षेत्र को पूरी तरह नशामुक्त रखने के कड़े निर्देश दिए।

चौपाल में 'ऑन-द-स्पॉट' फैसला: मुर्रा की बरसों पुरानी एनीकट समस्या का चुटकियों में समाधान- ग्राम आगमन के दौरान विधायक अनुज शर्मा ने कार्यकर्ताओं और प्रशासनिक अधिकारियों की पूरी टीम के साथ प्रत्येक ग्राम पंचायत का भ्रमण किया। उन्होंने ग्रामीणों से सीधा संवाद करते हुए उन्हें केंद्र एवं राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं व उपलब्धियों की विस्तार से जानकारी दी। 'जनचौपाल' में उन्होंने ग्रामवासियों की शिकायतों को गंभीरता से सुना और मौके पर मौजूद अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। इसी कड़ी में ग्राम मुर्रा में ग्रामीणों द्वारा एनीकट से संबंधित समस्या रखे जाने पर विधायक ने तत्काल संबंधित अधिकारी से चर्चा कर मौके पर ही उसका समाधान कराया। मुर्रा आगमन पर साख सहकारी समिति के अध्यक्षों ने विधायक श्री शर्मा का आत्मीय स्वागत किया। संविधान की शपथ के साथ 'डिजिटल उड़ान': कुंवरगढ़ को मिली स्मार्ट क्लास की सौगात
नगर पंचायत कुंवरगढ़ प्रवास के दौरान 'संविधान दिवस' के अवसर पर विधायक अनुज शर्मा ने उपस्थित जनसमूह को संविधान की रक्षा और राष्ट्र निर्माण की शपथ दिलाई। इस दौरान उन्होंने स्वामी आत्मानंद स्कूल के विद्यार्थियों के साथ आत्मीय संवाद कर उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित किया। बच्चों की बेहतर और आधुनिक शिक्षा हेतु उन्होंने कुंवरगढ़ आत्मानंद स्कूल में स्मार्ट क्लास व स्कूल के किचन में शेड निर्माण की महत्वपूर्ण घोषणा भी की।

शादी के 10 साल बाद विन्नी अरोड़ा ने दूसरे बच्चे की प्रेग्नेंसी का ऐलान किया

शादी के 10 साल बाद टीवी एक्ट्रेस विन्नी अरोड़ा ने अपने दूसरे बच्चे की प्रेग्नेंसी का ऐलान कर दिया है। सोशल मीडिया पर विन्नी ने अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए इस खुशखबरी को फैंस के साथ साझा किया। काफी समय से उनकी प्रेग्नेंसी को लेकर अफवाहें चल रही थीं, जिन पर अब विन्नी के पोस्ट ने विराम लगा दिया है।



इस गुड न्यूज से कपल के फैंस और टीवी सेलेब्स बेहद खुश हैं। विन्नी ने इंस्टाग्राम पर एक बेहद खूबसूरत वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह हरे रंग के गाउन में अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं। कैमरे के सामने पोज देते हुए वह बेहद खुश और उत्साहित नजर आईं। वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, एक छोटा सा चमत्कार, फिर से। इस अनाउंसमेंट के बाद टीवी इंडस्ट्री के कई सितारों ने कमेंट सेक्शन में कपल को बधाई दी। वाहबिज दोराबजी ने सरप्राइज जताते हुए शुभकामनाएं दीं, जबकि फलक नाज ने लिखा कि इस बार बेटी होगी। धीरज और विन्नी पहले से ही एक बेटे जैन के पेरेंट्स हैं, जिसका जन्म 10 अगस्त 2022 को हुआ था। अब उनके घर में एक और सदस्य के आने से परिवार में खुशी का माहौल है। हाल ही में कपल ने साथ होने के 10 साल पूरे होने का जश्न मनाया था और अमृतसर के गोल्डन टेंपल की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर शेयर की थीं। धीरज धूपर और विन्नी अरोड़ा की लव स्टोरी भी काफी दिलचस्प रही है। दोनों की पहली मुलाकात साल 2009 में टीवी शो मात पिताह के चरणों में स्वर्ग के सेट पर हुई थी। इस मुलाकात के बाद दोनों के बीच प्यार परवान चढ़ा और लगभग सात साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद उन्होंने 16 नवंबर 2016 को दिल्ली में धूमधाम से शादी की थी। उनकी शादी इंडस्ट्री की सबसे चर्चित शादियों में से एक थी।

रणबीर कपूर और साई पल्लवी की रामायण ने तोड़े कई रिकॉर्ड्स

नितेश तिवारी द्वारा डायरेक्टेड और नमित मल्होत्रा और रॉकिंग स्टार यश द्वारा संग प्रोड्यूस की गई फिल्म 'रामायण: पार्ट 1' दुनिया भर में अपनी रिलीज़ के बाद से ही बॉक्स ऑफिस पर अपना दम दिखा रही है। रणबीर कपूर, साईं पल्लवी और रवि दुबे जैसी टैलेंटेड कास्ट से सजी यह फिल्म, अपनी रिलीज़ के बाद से जबरदस्त सफलता का स्वाद चख रही है।

फिल्म देश से लेकर विदेशों में हाउस फुल शोज देते हुए रिकॉर्ड्स तोड़े है और इस तरह से यह अब तक की हाईएस्ट ग्रॉसिंग इंडियन फिल्म बनकर सामने आई है। यह फिल्म हर तरफ परिवारों और फिल्म लवर्स द्वारा अपने शानदार पैमाने, भावनात्मक गहराई और ए. आर. रहमान और हंस ज़िमर द्वारा दिए गए कभी न भूलाए जाने वाले म्यूजिक के लिए खूब सराहना पा रही है। भारत के यूनियन होम मिनिस्टर अमित शाह ने नमित मल्होत्रा और रामायण की मेकिंग के पीछे मौजूद टीम से भारतीय सिनेमा और भारत की सांस्कृतिक विरासत को एक खास पहचान मिलने पर, मुलाकात की और साथ ही दुनिया भर में फिल्म की शानदार परफॉर्मेंस के लिए मेकर्स को बधाई भी दीं। इस मुलाकात के



मौके पर फिल्म प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा, डायरेक्टर नितेश तिवारी, लीड एक्टर्स रणबीर कपूर और साईं पल्लवी के अलावा प्राइम फोकस बिजनेस हेड नीरज शंघाई को एक साथ देखा गया। ऐसे में, अमित शाह ने फिल्म की पूरी टीम की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी और साथ ही इतने बड़े लेवल पर भारत के सबसे पूजनीय महागाथाओं में से एक को सिल्वर स्क्रीन पर लाने की इस शानदार उपलब्धि को भी सराहा। जिस चीज ने इस मुलाकात को और भी खास बना दिया, वह है फिल्म के मेकर्स द्वारा रामायण की भव्य दुनिया को समझने के लिए अमित शाह से सराहना पाना। मेकर्स यह देखकर हैरान भी हुए और खुश भी कि श्री अमित शाह इस महाकाव्य, इसके इतिहास और सांस्कृतिक महत्व के बारे में इतनी गहरी जानकारी रखते हैं। श्री अमित शाह द्वारा फिल्म के विषय और उसे बनाने के पीछे के सिनेमाई प्रयास के लिए मिली तारीफ ने इस मुलाकात को वहां मौजूद सभी के लिए यादगार बना दिया।



भजन बजाकर अक्षय ने तोड़ी ट्विंकल की नींद

बॉलीवुड के 'खिलाड़ी' अक्षय कुमार और दिग्गज अभिनेता रवि किशन हाल ही में लोकप्रिय चैट शो 'कॉफी विद करण' सीजन 9 में साथ नज़र आए। शो के दौरान हंसी-मज़ाक और धमाकेदार किस्सों के बीच एक ऐसा पल आया, जिसने दर्शकों और सोशल मीडिया यूज़र्स का सारा ध्यान खींच लिया।

दरअसल, शो के एक मज़ेदार सेगमेंट के दौरान अक्षय कुमार ने अपनी पत्नी और लेखिका ट्विंकल खन्ना को फोन लगाया, लेकिन उन्हें अंदाज़ा नहीं था कि वह खुद ट्विंकल के तीखे और मज़ेदार तंज का शिकार होने वाले हैं। देखते ही देखते यह पूरा वाकया इंटरनेट पर छा गया और फैंस इस स्टार कपल की केमिस्ट्री पर जमकर रिएक्शन दे रहे हैं।शो के दौरान अक्षय कुमार को एक खास टास्क दिया गया था। नियम के मुताबिक, उन्हें अपने किसी परिचित या दोस्त को फोन करना था और उससे "Hey Karan, it's me" बुलवाना था, जिसके बदले उन्हें पांच अंक मिलने थे। अक्षय ने बिना देर किए अपनी पत्नी ट्विंकल खन्ना का नंबर डायल किया और फोन को स्पीकर पर रख दिया।जैसे ही ट्विंकल ने कॉल रिसीव की, उन्होंने बिना भूमिका बांधे अक्षय को सुबह-सुबह नींद खराब करने के लिए सुनाना शुरू कर दिया। ट्विंकल ने शिकायत भरे अंदाज़ में कहा कि वह पिछली रात ढंग से सो नहीं पाई थीं और सुबह 6 बजे ही अक्षय ने भक्ति गीत यानी भजन बजाकर उनकी नींद तोड़ दी।





अल्लू अर्जुन की Raaka में हुई 90s के इस दिग्गज बॉलीवुड स्टार की एंट्री

लंबे समय से फ्लॉप फिल्मों की मार झेल रहे गोविंदा के करियर में फाइनली उम्मीद की एक किरण जागती नजर आ रही है। खबर है कि एक्टर के हाथ एक बड़े बैनर की साउथ फिल्म लगी है। रिपोर्ट्स की मानें तो एक्टर बहुत जल्द एटली की साइंस फिक्शन फिल्म राका में नजर आएंगे। इसमें अल्लू अर्जुन और दीपिका पादुकोण लीड रोल में नजर आएंगे। सियासेट डेली की रिपोर्ट के अनुसार राका गोविंदा का पहला साउथ डेब्यू होगी। राका का निर्देशन एटली कर रहे हैं जिसके जरिए अल्लू अर्जुन और दीपिका पादुकोण पहली बार स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। राका को इंडियन सिनेमा की मच अवेटेड फिल्मों में से एक माना जा रहा है। वहीं गोविंदा का नाम जुड़ने के साथ ही फैंस को मन में इसको लेकर दिलचस्पी और अधिक बढ़ गई है। गोविंदा इसमें क्या रोल निभा रहे हैं इस बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

डस्ट टू स्टारडस्ट का गाना रिलीज

फिल्म गणेश: डस्ट टू स्टारडस्ट के निर्माताओं ने अपना नया गाना आया रिलीज़ कर दिया है। इस भावुक और सुरीली संगीत रचना को मशहूर गायक सोनू निगम और प्रतिभाशाली गायिका सावनी रविंद्र ने अपनी मधुर आवाज़ दी है। माँ के निस्वार्थ प्रेम, अनगिनत त्याग, अटूट हिम्मत और बेशुमार देखभाल को समर्पित यह गाना एक ऐसे खूबसूरत एहसास को बयां करता है, जो हर दिल से जुड़ता है।

अपनी सुकून देने वाली धुन और दिल को छू लेने वाले संगीत के साथ आया श्रोताओं को एक गहरा भावुक संगीतमय अनुभव देता है। सोनू निगम की खास गायकी और सावनी रविंद्र की भावपूर्ण आवाज़ मिलकर मां के प्यार, अपनापन और ममता की गहराई को खूबसूरती से सामने लाती हैं। इस गाने के बोल समीर लालजी पांडे ने लिखे हैं, जबकि इसका संगीत जुनैद कुमार ने तैयार किया है। यह गीत माँ के निस्वार्थ समर्पण और हमारे जीवन को संवारने में उनकी अहम भूमिका को समर्पित एक खूबसूरत श्रद्धांजलि है। यह गाना उस माँ के प्रेम का उत्सव है, जो बिना किसी उम्मीद के सब कुछ देती है, हर मुश्किल में मजबूती से खड़ी रहती है और बिना किसी शर्त के अपने बच्चों से प्यार करती है। आया अपनी मधुर धुन और भावनाओं के जरिए श्रोताओं के दिलों को छूने और पुरानी खूबसूरत यादों को ताजा करने का वादा करता है, जो हर किसी को अपनी माँ से जुड़े अनुभवों की याद दिलाएगा।

माँ के प्रेम को सोनू निगम और सावनी रविंद्र ने दी आवाज





गाने के बारे में बात करते हुए सोनू निगम ने कहा कि आया का हिस्सा बनना उनके लिए एक बहुत अच्छा अनुभव रहा। उन्होंने खास तौर पर इसकी धुन और बोल की सराहना की, जो मिलकर एक खूबसूरत भावना पैदा करते हैं। उन्होंने गणेश आचार्य और जुनैद कुमार के साथ काम करने को शानदार अनुभव बताया और उम्मीद जताई कि दर्शकों को भी यह गाना उतना ही पसंद आएगा, जितना इसे बनाते समय उन्हें अच्छा लगा।

फीचर

आज का राशिफल

मेष राशि - कल आप धार्मिक और सामाजिक कार्यों में सहयोग करेंगे, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। रोजगार के क्षेत्र में सुधार के योग बन रहे हैं और नए अवसर मिलने की उम्मीद है। यदि आप संपत्ति से संबंधित किसी समस्या का सामना कर रहे हैं, तो वह कल समाप्त हो जाएगी। बिजनेस में सकारात्मक बदलाव आने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और प्रतिस्पर्धी आपकी प्रगति देखकर आश्चर्यचकित रहेंगे।

वृषभ राशि - परिवार के किसी सदस्य से अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। पिताजी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें और उनके स्वास्थ्य नियमों का पालन करवाएं। आपने जो काम शुरू किया है, उसमें सफलता मिलेगी। अवकाश या खाली समय मिलने से लव पार्टनर से मुलाकात का मौका मिलेगा और डिनर डेट पर जा सकते हैं।

मिथुन राशि - मिथुन राशि वालों के लिए कल का दिन मध्यम फलदायी रहने वाला है। पारिवारिक जीवन में कलह की स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जिससे मानसिक तनाव रहेगा। कार्यक्षेत्र में धैर्य रखें क्योंकि जल्दबाजी में किया गया काम बिगड़ सकता है और नुकसान हो सकता है। वाहन में खराबी आने के कारण अचानक खर्चे बढ़ सकते हैं। विदेश से जुड़े कामों में सफलता मिलती दिख रही है।

कर्क राशि - कर्क राशि वाले कल बुद्धि और विवेक से नए काम की तलाश शुरू करेंगे। यदि पारिवारिक संपत्ति से जुड़ा कोई विवाद चल रहा है, तो किसी वरिष्ठ अधिकारी की मदद से समाधान हो जाएगा। छात्रों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए थोड़ी अधिक मेहनत करनी होगी। भाइयों और मित्रों की मदद से नए अवसर प्राप्त होंगे। कार्यक्षेत्र में जीवनसाथी की सलाह से काफी लाभ होगा और रिश्ते मजबूत होंगे।

सिंह राशि - कार्यक्षेत्र में किसी भी प्रकार के वाद-विवाद से बचना होगा, अन्यथा यह कानूनी मुद्दा बन सकता है। रोजगार के क्षेत्र में अस्थिरता के कारण कुछ समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं, जिससे मन अशांत रहेगा। धैर्य के साथ पारिवारिक समस्याओं का समाधान करें; बड़ों की मदद से लंबित सरकारी कार्य पूरे होने की संभावना है। व्यापारियों को कल नकदी की कमी का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या राशि - पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा तथा कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव और प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कल कुछ अनावश्यक खर्चे भी सामने आएंगे, जिनका वहन आपको करना पड़ेगा। वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा और जीवनसाथी के साथ बच्चों के भविष्य को लेकर कोई निर्णय ले सकते हैं। संपत्ति या वाहन खरीदने की इच्छा कल पूरी हो सकती है। लोग आपकी कार्यशैली से प्रभावित होंगे।

तुला राशि- तुला राशि वालों के पारिवारिक जीवन में कल मान-सम्मान बढ़ेगा और दान-पुण्य के कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। परिवार के किसी सदस्य से शुभ समाचार मिलने के संकेत हैं। नौकरीपेशा जातक आराम और सुकून का आनंद लेंगे। सामाजिक कार्य करने से वंचित समाज का सहयोग मिलेगा और सभी आपके साहस व पराक्रम की प्रशंसा करेंगे।

वृश्चिक राशि - नया व्यापार शुरू करने में भाग्य का पूरा साथ मिलेगा, जिससे अच्छा लाभ होगा। संतान की नौकरी से संबंधित कोई शुभ समाचार मिलेगा, जिससे भविष्य की चिंता कम होगी। विद्यार्थियों को शिक्षकों का सहयोग मिलेगा और प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। पिताजी का सहयोग पारिवारिक बिजनेस की कठिन परिस्थितियों में सहायक होगा और समस्या समाप्त होगी।

धनु राशि- परिवार में किसी बात को लेकर मतभेद हो सकते हैं, क्रोध पर नियंत्रण रखें अन्यथा रिश्तों में दरार आ सकती है। विद्यार्थियों को सफलता पाने के लिए अधिक मेहनत करनी होगी। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें और खान-पान का विशेष ध्यान रखें। व्यापारी कल लेन-देन करते समय सावधानी बरतें, अन्यथा नकसान हो सकता है।

मकर राशि - वाहन चलाते समय सावधानी बरतें और सेहत का ध्यान रखें। लव पार्टनर से मुलाकात हो सकती है और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा करेंगे। राजनीतिक लोगों को जनता का सहयोग मिलेगा। व्यापार में निर्णय लेने की क्षमता का लाभ मिलेगा, जिससे भविष्य में आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

कुंभ राशि- व्यापारियों के लिए कल का दिन भविष्य के लिए नई योजनाएं लेकर आएगा। पिताजी के साथ संबंधों में सुधार आएगा और उनके विचारों को प्राथमिकता देने से लाभ होगा। कार्यस्थल पर अपने काम से सभी पर भारी पड़ेंगे और व्यापारिक सौदों में सफलता मिलेगी।

मीन राशि-अच्छे कर्मों से परिवार का नाम रोशन होगा और बड़ों के आशीर्वाद से सभी काम बनते चले जाएंगे। व्यापारियों के लिए लाभ के प्रबल योग हैं और प्रतिस्पर्धियों को कड़ी टक्कर देने में कामयाब रहेंगे। रोजगार से जुड़ी कोई खबर मिलेगी और बड़े भाई का सहयोग मिलेगा।

कब मनाई जाएगी संकष्टी चतुर्थी?



हिंदू धर्म में भगवान गणेश को प्रथम पूज्य और विघ्नहर्ता माना गया है। किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत से पहले गणपति बप्पा का स्मरण और पूजन करने की परंपरा है। उनकी आराधना के लिए प्रत्येक महीने कई विशेष तिथियां आती हैं, जिनमें संकष्टी चतुर्थी का विशेष स्थान है। यह व्रत भगवान गणेश को समर्पित होता है। मान्यता है कि इस दिन विधि-विधान से गणेशजी की पूजा और उपवास करने से जीवन के संकट दूर होते हैं तथा सुख-समृद्धि और खुशहाली का आशीर्वाद मिलता है। कब मनाई जाएगी संकष्टी चतुर्थी?

संकष्टी चतुर्थी का व्रत प्रत्येक महीने कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को रखा जाता है। इस दिन भक्त सुबह से उपवास रखते हैं और शाम को भगवान गणेश की पूजा-अर्चना करते हैं। इसके बाद चंद्रोदय होने पर चंद्रदेव को अर्घ्य देकर व्रत का पारण किया जाता है। नवंबर 2026 में मार्गशीर्ष मास की गणाधिप संकष्टी चतुर्थी का व्रत 27 नवंबर, शुक्रवार को रखा जाएगा। इस दिन श्रद्धालु भगवान गणेश की पूजा करेंगे और रात्रि में चंद्रमा को अर्घ्य देकर व्रत का समापन करेंगे। पंचांग के अनुसार चतुर्थी तिथि 27 नवंबर को सुबह 9 बजकर 48 मिनट से शुरू होगी और 28 नवंबर को सुबह 6 बजकर 39 मिनट तक रहेगी। नई दिल्ली में चंद्रोदय का समय रात 8 बजकर 18 मिनट बताया गया है। हालांकि चंद्रमा के उदय का समय अलग-अलग शहरों में बदल सकता है। इसलिए अपने स्थानीय पंचांग के अनुसार चंद्रोदय का समय देखना उचित रहेगा।

इस दिन भगवान गणेश की पूजा करने के साथ चंद्रदेव को अर्घ्य देने का विधान है। मान्यता है कि गणपति बप्पा अपने भक्तों के जीवन से विघ्न-बाधाओं को दूर करते हैं। इसलिए संतान की खुशहाली, परिवार की उन्नति, कारोबार में तरक्की और जीवन में सुख-शांति की कामना से श्रद्धालु यह व्रत रखते हैं।

संकष्टी शब्द का अर्थ संकटों से मुक्ति या कठिनाइयों का निवारण होता है। वहीं चतुर्थी चंद्र मास की चौथी तिथि को कहा जाता है। इस प्रकार संकष्टी चतुर्थी का अर्थ संकटों को दूर करने वाली चतुर्थी से लगाया जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार प्रत्येक महीने पूर्णिमा के बाद आने वाली कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को संकष्टी चतुर्थी मनाई जाती है।

क्यों खास है मार्गशीर्ष माह

हिंदू धर्म में मार्गशीर्ष महीने को बेहद पवित्र और आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना गया है। इसे अगहन मास के नाम से भी जाना जाता है। मार्गशीर्ष महीने का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है, क्योंकि श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने स्वयं को महीनों में मार्गशीर्ष बताया है। आइए जानते हैं मार्गशीर्ष माह 2026 कब से शुरू होगा, कब समाप्त होगा, क्या है इसका महत्व व आध्यात्मिक परंपराएं

मार्गशीर्ष माह 2026 की शुरुआत और समाप्ति कब होगी?

हिंदू पंचांग में चंद्र मास की गणना 2 प्रमुख पद्धतियों से की जाती है। इन्हें पूर्णिमांत और अमांत पंचांग कहा जाता है। इसी वजह से अलग-अलग राज्यों में मार्गशीर्ष महीने की शुरुआत और समाप्ति की तारीख में अंतर दिखाई देता है।

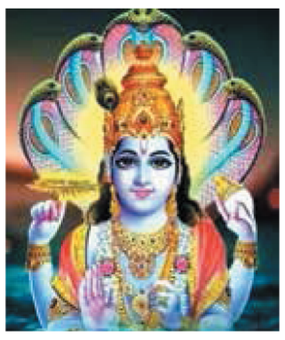

अमांत पंचांग के अनुसार

महाराष्ट्र, गुजरात और दक्षिण भारत में मार्गशीर्ष माह 9 दिसंबर बुधवार से शुरू होकर 7 जनवरी 2027, गुरुवार तक रहेगा।

दोनों पद्धतियों में अंतर का कारण महीने की गणना का तरीका है। पूर्णिमांत पंचांग में पूर्णिमा के बाद नया महीना शुरू होता है, जबकि अमांत पंचांग में अमावस्या के बाद नए महीने की शुरुआत मानी जाती है। इसलिए किसी भी व्रत या त्योहार की तारीख निर्धारित करते समय अपने क्षेत्र के स्थानीय पंचांग को देखना जरूरी होता है।

मार्गशीर्ष माह का धार्मिक महत्व

मार्गशीर्ष महीने को भगवान श्रीकृष्ण का प्रिय मास माना जाता है। श्रीमद्भगवद्गीता के विभूतियोग में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि महीनों में वे मार्गशीर्ष हैं। गीता का यह कथन इस महीने की आध्यात्मिक महत्ता को दर्शाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस महीने में भगवान विष्णु और श्रीकृष्ण की पूजा करने से जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आती है। भक्त इस दौरान भगवान के नाम का स्मरण करते हैं, गीता का पाठ करते हैं और धार्मिक कार्यों में हिस्सा लेते हैं।

इस मौसम में इनसे होने वाली बीमारियां हो सकती हैं खतरनाक

सर्दी का मौसम आते ही खांसी, सर्दी-जुकाम और सांस संबंधी समस्याएं बढ़ जाती हैं। लेकिन कई बार इनके पीछे सिर्फ ठंड या प्रदूषण नहीं, बल्कि आसपास के आम चीजें भी जिम्मेदार होती हैं। कबूतर की बीट और गाजरघास (कांग्रेस घास या पार्थेनियम) इस सूची में सबसे ऊपर हैं। ये दोनों ही भारत के शहरों और गांवों में आम हैं और इस मौसम में विशेष रूप से स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं।



कबूतर की बीट से होने वाली बीमारियां

कबूतरों को दाना डालना कई घरों में आम प्रथा है, लेकिन उनकी बीट और पंख स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं। सूखी बीट हवा में मिलकर फंगल स्पोर्स और एंटीजन फैलाती है।

हाइपरसेंसिटिविटी न्यूमोनाइटिस (बर्ड फैंसियर्स लंग) : बार-बार संपर्क से फेफड़ों में सूजन हो जाती है। लंबे समय तक रहने पर फेफड़ों में फाइब्रोसिस (सख्त होना) हो सकता है, जिससे सांस लेने में तकलीफ होती है और कुछ मामलों में ऑक्सीजन या ट्रांसप्लांट तक की जरूरत पड़ जाती है।

क्रिप्टोकोकोसिस : क्रिप्टोकोकस नीओफॉर्मन्स फंगस से होता है। फेफड़ों से शुरू होकर मस्तिष्क तक पहुंच सकता है (मेनिनजाइटिस)।

हिस्टोप्लाज्मोसिस : हिस्टोप्लाज्मा कैप्सुलैटम फंगस से बुखार, खांसी, सीने में दर्द और थकान।

सिटाकोसिस (Psittacosis) : बैक्टीरियल संक्रमण जो निमोनिया जैसे लक्षण पैदा करता है।

अन्य : साल्मोनेला, ई. कोलाई जैसे बैक्टीरिया पेट संबंधी समस्याएं (दस्त, उल्टी, बुखार) पैदा कर सकते हैं। अस्थमा और एलर्जी भी बढ़ सकती है।

एंडोस्कोपिक तकनीक से आसान होते इलाज



डॉक्टरों ने हुगली की साढ़े तीन साल की बच्ची का एक दुर्लभ और जटिल मामले में सफलतापूर्वक इलाज किया है। इस उपचार में एक उन्नत एंडोस्कोपिक तकनीक (कैमरे वाली एक पतली और लचीली ट्यूब की मदद से की जाने वाली न्यूनतम चीरा-आधारित प्रक्रिया) का इस्तेमाल किया गया। इस तकनीक के माध्यम से पैंक्रियास में सूजन के बाद उसके आसपास बनने वाले तरल पदार्थ से भरे संग्रह का इलाज किया गया। यह प्रक्रिया आमतौर पर वयस्क मरीजों पर की जाती है, लेकिन इसे महज साढ़े तीन साल की बच्ची पर सफलतापूर्वक करना बाल चिकित्सा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

इस स्थिति के कारण पैंक्रियास के आसपास तरल पदार्थ जमा हो गया था, जिससे पेट पर दबाव पड़ रहा था और बच्ची के लिए सामान्य रूप से खाना तथा वजन बढ़ाना मुश्किल हो रहा था। डॉक्टरों की टीम ने इस समस्या के सफल उपचार के लिए ल्यूमेन-अपोजिंग मेटल स्टेंट (LAMS) की मदद से एंडोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड (EUS)-गाइडेड ड्रेनेज प्रक्रिया अपनाई। इस प्रक्रिया में एंडोस्कोप के माध्यम से अल्ट्रासाउंड इमेजिंग की मदद से जमा हुए तरल पदार्थ की पहचान कर उसे बाहर निकाला जाता है। LAMS एक विशेष प्रकार की छोटी धातु की ट्यूब होती है, जो दो अंगों के बीच एक रास्ता बनाती है, जिससे जमा हुआ तरल बाहर निकल सके। सोनल को इस वर्ष जुलाई में गंभीर पैंक्रियाटाइटिस (पैंक्रियास में सूजन) की शिकायत के बाद पहली बार अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इसके कारण पैंक्रियाटिक डक्ट (वह नली जिसके माध्यम से पैंक्रियास से पाचन रस बाहर निकलता है) में क्षति हुई और पैंक्रियास का तरल आसपास के हिस्से में रिसने लगा, जिससे वहां तरल जमा हो गया। हालांकि, बाद में पैंक्रियाटिक डक्ट से तरल का रिसाव ठीक हो गया, लेकिन जमा हुआ तरल बना रहा और धीरे-धीरे पैंक्रियाटिक स्यूडोसिस्ट में विकसित हो गया। इस स्थिति में तरल से भरी थैली पेट पर दबाव डालने लगी, जिसके कारण बच्ची को बार-बार पेट में दर्द होने लगा, खाने में परेशानी होने लगी और उसका वजन भी उम्र के अनुसार सामान्य से कम रहने लगा। चूंकि यह समस्या अपने आप ठीक नहीं हो रही थी, इसलिए डॉ. भास्वती चक्रवर्ती आचार्य के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ने आगे चिकित्सकीय हस्तक्षेप करने का निर्णय लिया। पोस्ट-नेक्रोटिक कलेक्शन पैंक्रियास के आसपास बनने वाला तरल पदार्थ का एक संग्रह है, जो आमतौर पर पैंक्रियास में सूजन यानी पैंक्रियाटाइटिस के बाद विकसित होता है।

विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश हमारा यह भारतवर्ष है : विष्णुदेव साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने संविधान गौरव दिवस के उपलक्ष्य पर यहाँ शहीद स्मारक भवन में भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश इकाई द्वारा आयोजित सभा को संबोधित करते हुए बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर को नमन किया और कहा कि उनके नेतृत्व में संविधान सभा की अनेक बैठकें हुई और इस संविधान को तैयार करने में कुल दो वर्ष, ग्यारह माह और अठारह दिन लगे। संविधान सभा में हमारे वर्तमान छत्तीसगढ़ के भी अनेक सदस्य थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारे देश को मदर ऑफ डेमोक्रेसी कहा जाता है और विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश हमारा यह भारतवर्ष है। हमारे संविधान निर्माताओं का यह सपना था कि हमारे देश में और इस लोकतंत्र में हर वर्ग की भागीदारी हो, वंचित तबकों को भी अधिकार मिले और सर्वोच्च संवैधानिक पदों तक पहुँचने के लिए भारत का हर नागरिक सक्षम हो। आज हमारे देश का यह संविधान हम लोगों को स्वतंत्रता से जीने का अधिकार देता है, अपनी बातों और अपनी अभिव्यक्ति को रखने की स्वतंत्रता देता है। यही हमारे संविधान की खासियत है।

प्रधानमंत्री मोदी विकास के साथ-साथ विरासत को भी संजोकर रखना चाहते हैं- मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की 125वीं जयंती पर वर्ष 2015 में संविधान गौरव दिवस मनाने का निर्णय लिया। आज इस दिवस पर समारोह आयोजित कर हम आने वाली पीढ़ी को यह बता पा रहे हैं कि संविधान के निर्माण में बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर और अन्य लोगों का कितना योगदान था। श्री साय ने कहा कि आज संविधान के निर्माता को सम्मान देने का काम देश के प्रधानमंत्री श्री मोदी ने किया है। उनसे संबंधित जो पाँच स्थान हैं, उनका जन्म मध्य प्रदेश में हुआ, उन्होंने लंदन में शिक्षा प्राप्त की, नागपुर में दीक्षा ली, दिल्ली में उनका महापरिनिर्वाण हुआ और मुंबई में उनकी समाधि बनी। इन पाँचों स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित करने का काम श्री मोदी ने किया है। श्री साय ने कहा कि कांग्रेस ने समय-समय पर बाबासाहेब को अपमानित करने का काम किया, यहाँ तक कि चुनाव में उनको हराने का भी काम किया। वहीं प्रधानमंत्री श्री मोदी विकास के साथ-साथ विरासत को भी संजो रहे हैं। कांग्रेस ने लगातार लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास किया। जम्मू-कश्मीर से धारा 370 को समाप्त करने का काम और जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र को मजबूत करने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने किया।

संविधान गौरव दिवस हम सबके लिए गौरव का विषय है : संतोष पांडेय- भाजपा के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता एवं सांसद संतोष पांडेय ने कहा कि वास्तव में संविधान गौरव दिवस हम सबके लिए गौरव का क्षण है और गौरव होना भी चाहिए। उन्होंने कहा कि मुंबई में जब बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के स्मारक का लोकार्पण किया गया, उसी अवसर पर प्रधानमंत्री ने घोषणा की थी कि आज से संविधान गौरव दिवस मनाया जाएगा। श्री पांडेय ने कहा कि कांग्रेस ने संविधान को अपने पैरों तले रौंदकर गलत काम किए। इंदिरा गांधी के खिलाफ चुनाव में भ्रष्टाचार का मामला चल रहा था। 12 जून 1975 को इस मामले का फैसला सुनाया गया। इंदिरा गांधी दोषी करार दी



गईं। छह वर्ष के लिए उनके चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया गया। इंदिरा गांधी की लोकसभा सदस्यता समाप्त हो गई। इंदिरा गांधी के समक्ष इस्तीफा देने के अलावा कोई विकल्प नहीं था, किंतु इंदिरा जी ने 25 जून 1975 को आपातकाल की घोषणा कर दी। इंदिरा गांधी ने आपातकाल थोपकर संविधान द्वारा निर्मित अनेक व्यवस्थाओं को नेस्तनाबूद कर दिया। सत्ता हाथ में लेकर न्यायालय के अधिकार खत्म कर दिए गए, नौकरशाही को सब कुछ सौंप दिया गया और जिसको हम चौथा स्तंभ कहते हैं, अखबार जगत, प्रेस की दुनिया, मीडिया, उस पर ताले लगा दिए गए। श्री पांडेय ने कहा कि एक देश में दो विधान, एक देश में दो प्रधान, एक देश में दो निशान, यह नहीं चलेगा, जो डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने श्रीनगर की जेल में अपना बलिदान दिया, उसे सार्थक करने का काम किसी ने किया, तो आज के गृह मंत्री अमित शाह ने किया। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब की जन्मभूमि मध्य प्रदेश के महू में, शिक्षा भूमि लंदन में, दीक्षा भूमि नागपुर में, महापरिनिर्वाण भूमि अलीपुर रोड, दिल्ली में, चैत्य भूमि मुंबई में, इनको सँवारने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। इतना ही नहीं, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर के नाम पर भीम ऐप उन्होंने चालू किया, हम सबके लिए गर्व करने की बात है।

संविधान ही इस देश की सबसे बड़ी पूंजी और खूबसूरती है : गजेंद्र यादव- विधि एवं विधायी तथा शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने संविधान गौरव दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज के ही दिन 26 नवंबर 1949 को इस देश की संविधान सभा ने हमारे देश के संविधान को अंगीकृत किया था। उन्होंने कहा कि आज भारत पूरे विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश माना जाता है, तो इसका कारण आज के दिन ही संविधान सभा द्वारा संविधान को अंगीकृत किया जाना है, जिसे 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया। यही इस देश की सबसे बड़ी पूंजी और खूबसूरती है। श्री यादव ने कहा कि संविधान के प्रमुख निर्माता बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी की 125वीं जयंती पर प्रधानमंत्री श्री मोदी ने आज के दिन को संविधान गौरव दिवस के रूप में मनाने का सौभाग्य हम सबको दिया है। पहले जो भारतीय दंड संहिता थी, उसको हमारी सरकार ने भारतीय न्याय संहिता नाम दिया। इससे आप कल्पना कर सकते हैं कि सरकार की सोच कैसी है। हमारे देश की दंड संहिता को न्याय संहिता का स्वरूप दिया गया और उसमें अनेक नवाचार किए गए।

कार्यक्रम को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति डॉ. गौतम भादुड़ी ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं कार्यक्रम की प्रदेश संयोजक श्रीमती रंजना साहू ने किया। इस दौरान संविधान गौरव दिवस कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश महामंत्री डॉ. नवीन मार्कण्डेय, विधायक सुनील सोनी, मोतीलाल साहू, जिलाध्यक्ष रायपुर शहर रमेश सिंह ठाकुर, रायपुर ग्रामीण जिलाध्यक्ष श्याम नारंग सहित भाजपा पदाधिकारी, सेवानिवृत्त सैनिक सहित विभिन्न संगठनों से आए गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

निर्माण कार्यों में लाएं तेजी, निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करें - कलेक्टर श्री शर्मा

गरियाबंद। कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा ने बुधवार को लोक निर्माण विभाग एवं लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग के कार्यों की समीक्षा के लिए बैठक ली। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती ऋचा ठाकुर सहित ईई पीडब्लूडी श्री रामेश्वर कंवर एवं विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति में जिले में स्वीकृत सड़क, पुल, भवन एवं अन्य निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निविदा प्रक्रिया, स्वीकृत कार्यों एवं प्रगतिरत निर्माण कार्यों की जानकारी लेते हुए सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में जानकारी दी गई कि सड़क, पुल एवं भवन निर्माण से संबंधित कुल 63 स्वीकृत कार्यों में से 39 कार्य प्रगतिरत हैं। कलेक्टर ने कहा कि निर्माण कार्यों के दौरान यदि किसी प्रकार का विवाद या बाधा उत्पन्न होती है तो इसकी जानकारी तत्काल जिला प्रशासन के संज्ञान में लाई जाए। विवाद के कारण किसी भी निर्माण कार्य को अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रखा जाए। संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय से समस्याओं का तत्काल निराकरण सुनिश्चित करें, ताकि कार्यों की गति प्रभावित न हो।

प्रमुख सड़कों के निर्माण एवं उन्नयन कार्यों की समीक्षा - कलेक्टर श्री शर्मा ने चौबेबांधा-सिंघौरी मार्ग, राजिम-छुरा मार्ग, श्यामनगर-देवरी मार्ग के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण सहित जिले के विभिन्न सड़क निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। राजिम-छुरा मार्ग के निर्माण की संभावित पूर्णता तिथि 11 जनवरी 2028 को ध्यान में रखते हुए कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने नवीन मेला स्थल से लक्ष्मण झूला तक लगभग 3.50 किलोमीटर पहुंच मार्ग को उच्च प्राथमिकता देते हुए शीघ्र पूर्ण करने पर जोर दिया। इसके अलावा चौबेबांधा से नवीन मेला स्थल मार्ग, कोपरा-पोखरा मार्ग तथा राजिम-फिंगेश्वर-महासमुंद मार्ग की प्रगति की भी समीक्षा की। कलेक्टर ने राजापड़ाव-गौरगांव पुल, डोंगरीगांव में 40 नग जीएडी कॉलोनी पहुंच मार्ग सहित अन्य महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन मार्गों का निर्माण आवागमन की सुविधा और क्षेत्रीय विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। बैठक में भवन निर्माण से संबंधित कार्यों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने बाउंड्रीवाल, नवीन व्यवहार न्यायालय भवन, न्यायालयीन अधिकारी-कर्मचारियों के आवास निर्माण तथा ठेकेदारों के लंबित भुगतान की स्थिति की जानकारी ली। शासकीय कन्या महाविद्यालय के निर्माण कार्य को शीघ्रता से प्रारंभ कर निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही स्टेडियम निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक तेजी लाने को कहा। लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान जानकारी दी गई कि कुल 18 स्वीकृत पुल निर्माण कार्यों में से 14 कार्य प्रगतिरत हैं।

छत्तीसगढ़ में चिकित्सा क्षेत्र की ऐतिहासिक उपलब्धि: पहली बार TBI तकनीक से सफल एलोजेनिक बोन मैरो ट्रांसप्लांट

जनता के गोठ- रायपुर

रायपुर। छत्तीसगढ़ के चिकित्सा इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया है। राजधानी के मोवा स्थित श्री बालाजी कैंसर हॉस्पिटल में वेरी सीवियर एप्लास्टिक एनीमिया (डब्ल्यू) जैसी जानलेवा बीमारी से जूझ रहे 5 वर्षीय बच्चे का सफल एलोजेनिक बोन मैरो ट्रांसप्लांट किया गया है। यह छत्तीसगढ़ के किसी मेडिकल कॉलेज में हुआ पहला बोन मैरो ट्रांसप्लांट है। विशेष बात यह है कि इस जटिल प्रक्रिया में राज्य में पहली बार 'टोटल बॉडी इर्रेडिएशन' (TBI) तकनीक का उपयोग किया गया है।



गंभीर संक्रमण और 300 टीएलसी के बीच चुनौतीपूर्ण ऑपरेशन- ट्रांसप्लांट के समय बच्चे की स्थिति अत्यंत नाजुक थी। ऑपरेशन के दौरान बच्चा न्यूट्रोपेनिक कोलाइटिस और निमोनिया जैसे गंभीर संक्रमणों की चपेट में था। शरीर में संक्रमण से लड़ने वाली श्वेत रक्त कोशिकाओं (WBC) का स्तर खतरनाक रूप से गिर चुका था और बच्चे का टीएलसी (TLC) महज 300 प्रति माइक्रोलीटर रह गया था, जबकि सामान्य रेंज 4,000 से 11,000 के बीच होती है। ऐसी विषम परिस्थितियों में संक्रमण और अन्य जटिलताओं को नियंत्रित करते हुए डॉक्टरों की टीम ने ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक अंजाम दिया।

देश के शीर्ष चिकित्सा संस्थानों के विशेषज्ञों का मिला मार्गदर्शन- इस ऐतिहासिक सफलता में श्री बालाजी कैंसर हॉस्पिटल के कंसल्टेंट हेमेटोलॉजिस्ट एवं बोन मैरो ट्रांसप्लांट फिजिशियन डॉ. अंबर गर्ग, पीडियाट्रिशियन डॉ. निकिता पटेल, पीडियाट्रिक्स विभाग के विभागाध्यक्ष (HOD) डॉ. बी. एन. राव सहित पीडियाट्रिक्स विभाग और नर्सिंग स्टाफ की पूरी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इसके साथ ही राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट (RGCI), दिल्ली के डॉ. दिनेश भुरानी व डॉ. रोहन तथा क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज (ष्टस्ष्ट), वेल्लोर के



डॉ. बिजू जॉर्ज ने भी अपने अनुभव और तकनीकी मार्गदर्शन से इस प्रक्रिया को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। डॉ. अंबर गर्ग ने पूरी टीम के प्रति आभार जताते हुए कहा कि यह उपलब्धि किसी एक चिकित्सक के प्रयास का नहीं, बल्कि विशेषज्ञों के मार्गदर्शन, चिकित्सकीय व पीडियाट्रिक्स टीम की मेहनत, नर्सिंग स्टाफ के समर्पण और आपसी समन्वय का परिणाम है।

प्रबंधन के त्वरित आर्थिक सहयोग से समय पर शुरू हुआ इलाज- आपातकालीन स्थिति को देखते हुए श्री बालाजी ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के चेयरमैन डॉ. देवेंद्र नायक और मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. नीता नायक ने तत्काल आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराया। समय पर सहायता मिलने से बिना किसी देरी के ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया शुरू हो सकी। यह सफलता प्रदेश में उन्नत चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हुई है।

क्या है TBI तकनीक?

टोटल बॉडी इर्रेडिएशन (TBI) एक विशेष रेडिएशन तकनीक है, जिसके अंतर्गत बोन मैरो ट्रांसप्लांट से पूर्व मरीज के पूरे शरीर को नियंत्रित मात्रा में रेडिएशन दिया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य मरीज की प्रतिरक्षा प्रणाली (इम्यून सिस्टम) को दबाना होता है, ताकि डोनर की स्वस्थ स्टेम सेल्स को शरीर में स्थापित होने और विकसित होने के लिए अनुकूल वातावरण मिल सके।

रायपुर एयरपोर्ट का मेगा विस्तार: एक ही रनवे से हर घंटे 35 विमान भर सकेंगे उड़ान, घने कोहरे में भी नहीं थमेगी रफ्तार

जनता के गोठ- रायपुर

रायपुर। राजधानी के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट की विमान परिचालन क्षमता को लगभग तीन गुना बढ़ाने के साथ ही यात्री सुविधाओं, सुरक्षा और यातायात प्रबंधन में बड़े बदलाव की तैयारी शुरू हो गई है। एयरपोर्ट के नए डायरेक्टर मोहम्मद आरिफ ने बुधवार को अपनी पहली पत्रकार वार्ता में एयरपोर्ट के चरणबद्ध विस्तार का खाका पेश किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि छत्तीसगढ़ में हवाई यातायात की बढ़ती मांग के अनुरूप एयरपोर्ट के प्रत्येक हिस्से की क्षमता बढ़ाने पर समानांतर रूप से काम किया जा रहा है।

रनवे की क्षमता में तीन गुना इजाफा- आरिफ ने बताया कि वर्तमान में रायपुर एयरपोर्ट के एकमात्र रनवे से प्रति घंटे 12 विमानों की आवाजाही संभव है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) की प्रस्तावित परियोजना के तहत पैरेलल टैक्सी ट्रैक, रैपिड एग्जिट टैक्सीवे और अतिरिक्त एप्रन विकसित किए जाएंगे। इससे लैंडिंग के बाद विमानों को रनवे खाली करने और उड़ान भरने से पहले रनवे तक पहुंचने में कम समय लगेगा। पहले चरण में प्रति घंटे 24 और दूसरे चरण में लगभग 35 विमानों की आवाजाही संभव हो सकेगी।

घने कोहरे में भी नहीं रुकेगी उड़ान- आगामी कोहरे के मौसम को देखते हुए एयरपोर्ट पर कैटेगरी-टू (कैट-II) अप्रोच सिस्टम लागू करने की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। वर्तमान व्यवस्था में लैंडिंग के लिए रनवे पर न्यूनतम 550 मीटर दृश्यता आवश्यक होती है, लेकिन नई व्यवस्था प्रभावी होने पर यह सीमा घटकर महज 300 मीटर रह जाएगी। कम दृश्यता में विमान संचालन के लिए आवश्यक तकनीकी प्रक्रियाओं का काम लगभग पूरा कर लिया गया है।



सिटी साइड में सीआईएसएफ संभालेगी मोर्चा- एयरपोर्ट के बाहरी परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए भी महत्वपूर्ण पहल की गई है। आरिफ के अनुसार, काउंटर टेररिज्म कंटिंजेंसी प्लान (सीटीसीपी) की मंजूरी नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) से अपेक्षित है। मंजूरी मिलते ही एयरपोर्ट प्राधिकरण के अधिकार क्षेत्र वाले बाहरी हिस्से (सिटी साइड) में भी केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालेगा। इससे परिसर में वाहन चालकों के बीच होने वाले विवाद जैसी घटनाओं पर नियंत्रण में मदद मिलेगी।

यात्री सुविधाओं और पार्किंग का विस्तार- एयरपोर्ट पर वर्तमान में प्रतिदिन 8,000 से 9,500 यात्रियों की आवाजाही हो रही है और रोजाना 60 से 68 विमानों का संचालन हो रहा है। वित्त वर्ष 2024-25 में लगभग 25 लाख यात्रियों के मुकाबले 2025-26 में यह आंकड़ा 27 लाख के पार पहुंच गया है। टर्मिनल की वार्षिक क्षमता 32 लाख यात्रियों की है, जो अगले दो से तीन वर्षों की मांग पूरी करने में सक्षम है। यात्रियों की सहूलियत के लिए डिजीयात्रा सेवा, 15 चेक-इन काउंटर और चौथी एक्स-रे बैगेज स्क्रीनिंग मशीन उपलब्ध करा दी गई है। चौथा एयरोब्रिज भी शीघ्र चालू किया जाएगा, जबकि विमानों की पार्किंग के लिए स्टैंड की संख्या 9 से बढ़ाकर 13 कर दी गई है।

भटगांव नगर पंचायत अध्यक्ष विक्रम कुर्रे के खिलाफ पूनम पाण्डेय ने खोला मोर्चा, राज्य महिला आयोग में की शिकायत

महिला से अभद्रता, धमकी देने और पंचनामा कार्रवाई में बाधा डालने का आरोप; निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई की मांग

रायपुर: सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिला भटगांव नगर पंचायत अध्यक्ष विक्रम कुर्रे के खिलाफ मानवाधिकार न्याय सुरक्षा संगठन एसोसिएशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूनम पाण्डेय ने मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने अध्यक्ष विक्रम कुर्रे पर महिला के साथ अभद्र व्यवहार करने, धमकी देने तथा शासकीय पंचनामा कार्रवाई में बाधा उत्पन्न करने का आरोप लगाते हुए राज्य महिला आयोग में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। साथ ही मामले में निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

पूनम पाण्डेय के अनुसार, 4 नवंबर 2026 को भटगांव में राष्ट्रीय राजमार्ग NH-130B से संबंधित पंचनामा कार्रवाई की जा रही थी। इस दौरान राष्ट्रीय



राजमार्ग के वरिष्ठ अधिकारियों, नगर पंचायत सीईओ, तहसीलदार, बलौदाबाजार के एसडीओ तथा मानवाधिकार न्याय सुरक्षा संगठन एसोसिएशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूनम पाण्डेय एवं उनकी टीम की मौजूदगी में पंचनामा रिपोर्ट तैयार की जा रही थी। इसी दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष विक्रम कुर्रे अपने कुछ लोगों के साथ मौके पर पहुंचे और कथित तौर पर कार्रवाई में बाधा उत्पन्न की। पूनम पाण्डेय ने आरोप लगाया कि इस दौरान उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया, आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया और उन्हें धमकी भी दी गई। इस घटना को लेकर 4 नवंबर 2026 को भटगांव थाने में भी लिखित शिकायत प्रस्तुत कर कार्रवाई की मांग की गई थी। अब मामले को गंभीरता से लेते हुए पूनम पाण्डेय ने राज्य महिला आयोग का दरवाजा खटखटाया है और आयोग से हस्तक्षेप कर पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

पूनम पाण्डेय ने कहा कि महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कानून से ऊपर कोई पद या व्यक्ति नहीं है। यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

संविधान दिवस पर गरियाबंद कलेक्टोरेट में उद्देशिका का किया गया सामूहिक वाचन

गरियाबंद संविधान दिवस के अवसर पर आज गरियाबंद कलेक्टोरेट में भारत के संविधान की उद्देशिका का सामूहिक वाचन किया गया। इस दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने संविधान में निहित मूल्यों, आदर्शों और लोकतांत्रिक सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम में अपर कलेक्टर द्वय श्रीमती ऋचा ठाकुर एवं श्री पंकज डाहिरे, संयुक्त कलेक्टर श्री विशाल महाराणा सहित कलेक्टोरेट के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने एक साथ संविधान की उद्देशिका का वाचन करते हुए भारत को संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष एवं लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने तथा सभी नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, समानता और बंधुता सुनिश्चित करने के संकल्प को दोहराया।

इस अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने संविधान की उद्देशिका में निहित व्यक्ति की गरिमा, राष्ट्र की एकता एवं अखंडता तथा समान अवसर के मूल्यों को आत्मसात करने का संदेश दिया। कार्यक्रम के माध्यम से संविधान के प्रति सम्मान, नागरिक कर्तव्यों के निर्वहन और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत बनाने का आह्वान किया गया।

रायपुर में इलेक्रामा-2027 का आउटरीच कार्यक्रम: इलेक्ट्रिकल उद्योग में 25 अरब डॉलर के कारोबारी अवसरों की उम्मीद

जनता के गोठ- रायपुर

रायपुर। भारतीय इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईईईएमए) द्वारा राजधानी रायपुर में उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ एक विशेष आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दुनिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिकल उद्योग प्रदर्शनी 'इलेक्रामा-2027' के 17वें संस्करण से पहले आयोजित इस क्षेत्रीय संपर्क अभियान का मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ के स्थानीय उद्योगों की भागीदारी को मजबूत करना और देश के बदलते ऊर्जा तंत्र में उनकी भूमिका को सशक्त बनाना है।

ग्रेटर नोएडा में जुटेंगे 5 लाख से अधिक आगंतुक- आईईईएमए द्वारा इलेक्रामा-2027 का आयोजन 20 से 24 फरवरी 2027 तक इंडिया एक्सपो मार्ट, ग्रेटर नोएडा में किया जाएगा। इस भव्य प्रदर्शनी में 1,100 से अधिक प्रदर्शक और 10 देशों के मंडप शामिल होंगे। आयोजन के दौरान 25,000 से अधिक व्यवसाय-से-व्यवसाय (बी2बी) बैठकें प्रस्तावित हैं, जिनसे लगभग 25 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के व्यावसायिक अवसर उत्पन्न होने की उम्मीद है। इस वैश्विक मंच पर 500 से अधिक अंतरराष्ट्रीय खरीदारों और 5 लाख से ज्यादा आगंतुकों के शामिल होने की संभावना जताई गई है।

वैश्विक बाजार में मजबूत हो रही भारत की स्थिति- कार्यक्रम को



संबोधित करते हुए ईसुन-एमआर टैपचेंजर्स प्रा. लि. के सीईओ एवं इलेक्रामा की इंडस्ट्री खरीदार संपर्क समिति के चेयरमैन आर. प्रकाश ने कहा कि बढ़ती ऊर्जा मांग, नई तकनीक और नवीकरणीय ऊर्जा के कारण भारत का बिजली क्षेत्र तेजी से विकसित हो रहा है। इलेक्रामा उद्योग के अग्रणी लोगों को नवाचार साझा करने और विकास के नए अवसर तलाशने का मंच प्रदान करता है, जिससे वैश्विक इलेक्ट्रिकल बाजार में भारत की स्थिति और मजबूत होती है।

छत्तीसगढ़ के उद्योगों को मिलेगा वैश्विक मंच- पॉलीकैब इंडिया लि. के सीईओ (बी2बी चैनल एवं कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन) तथा इलेक्रामा के वाइस चेयरमैन शशि अमीन ने कहा कि इलेक्ट्रिकल ग्रिड के आधुनिकीकरण, रिन्यूएबल एनर्जी और कुशल पावर वितरण के क्षेत्र में नवाचार व सहयोग की व्यापक संभावनाएं हैं। यह आयोजन भारतीय कंपनियों को सीधे वैश्विक बाजारों से जोड़ने का कार्य करेगा। वहीं, इंडस्ट्री खरीदार संपर्क समिति के वाइस चेयरमैन सेम्बियन बालासुब्रमण्यम ने कहा कि रायपुर और छत्तीसगढ़ क्षेत्र भारत के इलेक्ट्रिकल विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस संपर्क कार्यक्रम का लक्ष्य स्थानीय हितधारकों को इस वैश्विक मंच से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करना है। इसके अलावा इंडस्ट्री खरीदार आउटरीच कमेटी के मेंटर श्रीधर गोखले ने नई तकनीक, नवाचार और सतत ऊर्जा समाधानों को अपनाने तथा पूरे उद्योग में आपसी सहयोग को मजबूत करने पर जोर दिया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक-शुभम वर्मा द्वारा मकान नंबर 411, देवनगर, आदिवासी छात्रावास के सामने, शिव शंकर होटल के पीछे महादेव घाट रायपुरा, रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं छत्तीसगढ़ प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग -मोवा रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित। (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) फोन:-9300870270, 9425520408 jantakegoth@gmail.com